दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

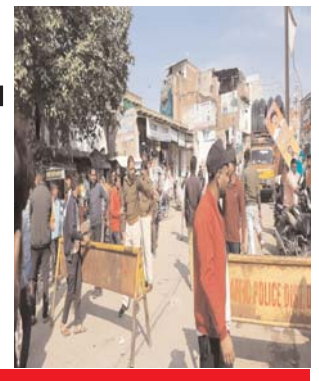

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 38 | ग्वालियर,15 दिसम्बर शुक्रवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

खुले में मांस एवं मछली के विक्रय पर रोक

नगरीय क्षेत्रों में 15 दिसम्बर से चलेगा विशेष जाँच अभियान

शिवपुरी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में खुले में बिना अनुमति मांस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित किया जायेगा। इसके संबंध में 15 दिसम्बर से सभी नगरीय निकायों में मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 के प्रावधानों के तहत विशेष अभियान चलाया जायेगा।प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मंडलोई ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न शहरों में सामान्यत= किसी भी प्रकार के व्यवसाय, दुकान, बाजार या रेह?ी आदि लगाने के लिये नगरीय निकायों द्वारा मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के अंतर्गत अनुज्ञा/अनुमति/अनापत्ति प्रदान की जाती हैं। विशेष रूप से किसी भी प्रकार के मांस एवं मछली के विक्रय के लिये नगरीय विकास विभाग के अधिनियमों के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान लागू होते हैं। इसके अंतर्गत जिलों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मांस एवं मछली के विक्रय के संबंध मे

शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे मामला- हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देगा मुस्लिम पक्ष, किसने क्या कहा?

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि से सटी शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को लेकर गुरुवार (14 दिसंबर) को बड़ा फैसला सुनाया. हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष की मांग पर शाही ईदगाह मस्जिद का सर्वे एडवोकेट कमिश्नर से कराए जाने अनुमति दी. बड़ी बातें- इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अधिवक्ता आयुक्त नियुक्त करने की मांग करने वाली याचिका स्वीकार करते हुए कहा, अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होगी. आयोग के तौर तरीकों और प्रारूप को लेकर पक्षकारों के वकीलों को सुना जाएगा.कोर्ट ने कहा, ÷यह भी निर्देश दिया जा सकता है कि किसी भी तरीके से ढांचे को कोई नुकसान ना पहुंचे. आयोग उस संपत्ति की वास्तविक स्थिति के आधार पर अपनी निष्पक्ष रिपोर्ट सौंपने को बाध्य है.

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को कटर मशीन से काटकर 22.5 लाख की रकम निकाल ले गए डकैत, गार्ड की अनुपस्थिति में दिया घटना को अंजाम

सबलगढ़ देवी मंदिर के पास अंबेडकर स्कूल के सामने स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को कटर मशीन से काटकर 22.5 लाख की रकम निकाल कर रात्रि में घटना को दिया अंजाम। एटीएम में कैस डालने आई गाड़ी ने शटर बंद हो खुलकर देखा तो घटना का मालूम पड़ा। उन्होंने तत्काल थाना प्रभारी को फोन लगाकर एटीएम से कैश चोरी होने की जानकारी दी गई। बुधवार को 11=30 बजे भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम में कैश डालने गाड़ी आई थी। उस दौरान एटीएम की शटर बंद पड़ी हुई थी। शटर उठाकर देखा तो उन्हें एटीएम की स्थिति बदहाल मिली। उन्होंने तत्काल थाना प्रभारी सबलगढ़ को फोन लगाया। पुलिस की 100 नम्बर गाड़ी जब एटीम पर पहुंची तब उन्होंने पुलिस के सामने पुनः शटर खोली गई। जिसमें देखा कि एटीएम कटा हुआ पड़ा है। एटीएम में कैश डालने वाले ने बताया कि शाम को 6=00 बजे के बाद हमने 22ज5 लाख रुपये कैश डाला था। एटीएम से अंतिम निकासी कितने बजे हुई है। एटीएम गार्ड कहां गया था। एटीएम में लगे कैमरे पर ब्लैक कलर लगाकर बंद कर

संक्षिप्त समाचार

अम्बाह में ध्वनि प्रदूषण एवं अंडा- मांस बिक्री को लेकर धर्म गुरुओं , शांति समिति के सदस्यों और मीडिया कर्मियों के साथ बैठक संचालित की

अम्बाह। मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव के आदेश को लेकर अम्बाह प्रशासन एसडीएम अरविंद माहौर एवं एसडीओपी रवि भदौरिया के निर्देशन में अम्बाह में ध्वनि प्रदूषण और अंडा मांस बिक्री को लेकर धर्म गुरुओं , शांति समिति के सदस्यों और मीडिया कर्मियों के साथ बैठक की गई।

मध्य प्रदेश लोक सेवा परीक्षा हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

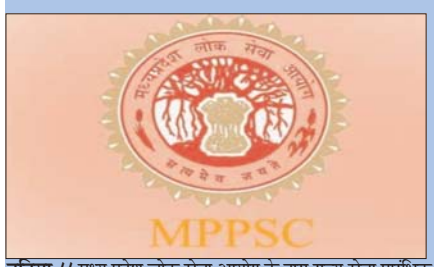

दतिया // मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 6 केन्द्रों पर 17 दिसम्बर 2023 (रविवार) को प्रात 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक एवं दोपहर 2.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक आयोजित होगी। द्यपरीक्षा के सफल संचालन हेतु स्टेनो कक्ष कलेक्ट्रेट दतिया में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यह कंट्रोल प्रातः 8 बजे से जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों की सामग्री जमा होने तक जारी रहेगा। कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07522-234100 है। कंट्रोल रूम पर सहायक वर्ग तीन धूप सिंह कुशवाह एवं डाटा एन्ट्री ऑपरेटर कविन्द्र वर्मा तैनात रहेंगे

पंच एवं सरपंच के रिक्त पदों के लिये अधिसूचना 15 दिसम्बर को जारी होगी

ग्वालियर / ग्वालियर जिले में ग्राम पंचायतों के पंच एवं सरपंचों के रिक्त पदों के लिये उप निर्वाचन 2023 उत्तरार्द्ध की अधिसूचना दिनांक 15 दिसम्बर को प्रात= 10.30 बजे की जायेगी। पात्र मतदाता अपना नामांकन अपरान्ह 3 बजे तक दाखिल कर सकेंगे। उक्त दिवस से ही नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसकी अंतिम तारीख 22 दिसम्बर 2023 है।

भाव से प्रसन्न होते है प्रभू: पं.घनश्याम शास्त्री जी

ग्वालियर-/- नई सड़क स्तिथ पहाडाय वाली माता मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन की कथा में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भागवतचार्य पं.घनश्याम शास्त्री महाराज ने कहा कि जब पृथ्वी पापियों का बोझ सहन नहीं कर पा रही थी, तब सभी देवता ब्रह्मा जी व शिव के साथ क्षीर सागर में भगवान की स्तुति करने लगे। तब भगवान श्री हरि ने प्रसन्न होकर देवताओं को बताया कि मैं वासुदेव व देवकी के घर कृष्ण रूप में जन्म लूंगा और वृंदावन में मां यशोदा व नंदबाबा के घर बाल लीलाएं करूंगा। इसलिए आप सब भी उस समय धरती पर किसी ना किसी रूप में उपस्थित रहना शास्त्री जी ने बताया कि जब भगवान ने पृथ्वी पर श्रीकृष्णा अवतार धारण किया तब सभी देवता और स्वयं ब्रह्मा व शिव जी भी भगवान की लीलाओं के साक्षी बने थे। उन्होंने बताया कि इस तरह जब भी पृथ्वी पर कहीं भी भगवान का जन्मोमोत्सव मनाया जाता है, तो ये सब देवी-देवता भी वहां अवश्य आते है और भगवान के जन्मोत्सव का आनंद लेते है। आगे कथा व्यास ने कहा कि जब भगवान ने कृष्ण जन्म लिया था, तब पृथ्वी पर ना जाने कितने जन्मों से जीव भगवान की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी तरह जब भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाता है और उस जन्मोत्सव में जो भाग लेते है, वे कोई साधारण जीव नहीं होते

इंदौर-बैतूल नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा, 2 की मौके पर मौत, अन्य गंभीर घायल

इंदौर-बैतूल नेशनल हाइवे के कन्नौद के पास ग्राम कलवार में एक टवेरा कार भीषण हादसे का शिकार हो गई। जिसमें 2 लोगों की मौके पर मौत हो गई बाकी अन्य गंभीर घायलों को रेफर किया गया।कन्नौद थाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार टवेरा कार नंबर एमपी13 बीए 4380 जो की इन्दौर से हरदा की ओर जा रही थी जो ग्राम कलवार में दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई। कार में मौजूद 13 लोगों में से 2 की मौके पर मौत हो गई। और अन्य 10 घायल हुए।**मृतक**

01.पीयूष पिता अभय बावरिया उम्र 35 साल निवासी ग्राम ताला झाबुआ

02.सरोज भंडारी पिता दिलीप उम्र 58 साल निवासी जावरा रतलाम

घायल

01.दिव्या पति पीयूष बावरिया उम्र 28 साल निवासी थांदला झाबुआ

02.रानी पति अभय कांटेक्ट कुमार 40 साल निवासी थांदला झाबुआ

03.कुमारी नव्या पिता अभय उम्र 10 साल निवासी थांदला झाबुआ

04.तिशा उर्फ बिट्टू पिता दिलिप भंडारी उम्र 20 साल निवासी जावरा रतलाम

05.दिलीप पिता चाँदी भंडारी निवासी 50 साल निवासी जावरा रतलाम

06.नारायण पिता गोवर्धन उम्र 72 साल निवासी मारुति नगर सुखलिया इंदौर

07.सीमा पति अभ

जगन्नाथ की भक्ति में भक्तों के पांव में पड़े छाले, अब तक 85 किलोमीटर का सफर तय

गंजबासौदा। भक्त और भगवान का प्रेम अद्भुत, अकल्पनीय होता है। इस प्रेम में कष्टों की परवाह किए बगैर भक्त, भगवान की भक्ति में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। महाप्रभु जगन्नाथ को पुरी से लेकर गंजबासौदा आ रहे भक्त भी कुछ ऐसे ही कष्टों की परवाह किए बगैर करीब 1200 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर चल रहे हैं। भक्तों की इन टोली ने अभी तक तीन दिन में 85 किलोमीटर का सफर तय कर लिया है। पैदल चल रहे करीब 60 यात्रियों में से कुछ भक्तों के पांव में जरूर छाले पड़ गए हैं, लेकिन इन छालों ने ना तो उनके उत्साह में कमी की है और ना ही भक्ति में। पुरी से शुरू हुई है यह यात्रा जहां-जहां से होकर निकल रही है, वहां वहां महाप्रभु जगन्नाथ के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने मिल रहा है। मालूम हो कि महाप्रभु जगन्नाथ के नवीन विग्रह की वेत्रवती घाट स्थित नौलखी आश्रम में अप्रैल 2024 को आयोजित हो रहे एक विराट धार्मिक महोत्सव में स्थापना होनी है। इन विग्रह को

थाना इन्दरगंज पुलिस ने अपने दोनों बच्चों के साथ गायब हुई अपहर्ता को सूरत से बच्चों सहित सकुशल किया दस्तयाब

अपहर्ता का आधार कार्ड अपडेट होते ही इन्दरगंज पुलिस ने सूरत से किया दस्तयाब

ग्वालियर । कब्रिस्तान के पास गणेशपुरा मुरैना निवासी फरियादी ने थाना स्टेशन रोड मुरैना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने मेरी बहू एवं उसके नाबालिग ल?का व ल?की को बहला फुसलाकर पुराने हाईकोर्ट ग्वालियर के पास से अपहरण कर लिया है। मेरे दामाद की वर्ष 2016 में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से मेरी बहू व उसके बच्चे मेरे पास मुरैना में ही रह रहे थे। घटना स्थल ग्वालियर में थाना इन्दरगंज क्षेत्र का होने से धारा 363 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त मामले में माननीय उच्च न्यायालय में हैबियस कार्पस प्रचलित होने से पुलिस अधीक्षक ग्वालियर राजेश सिंह चंदेल,भापुसे द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य) अखिलेश रेनवाल को उक्त प्रकरण की अपहर्ता व उसके दोनों नाबालिग बच्चों की सकुशल दस्तयावी हेतु पुलिस की टीम बनाकर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशनुसार सीएसपी इन्दरगंज श्री अशोक सिंह जादौन के मार्गदर्शन में इंचार्ज थाना प्रभारी इन्दरगंज शिवम राजावत के द्वारा पुलिस की टीम बनाकर उक्त प्रकरण के आरोपी व अपहर्ता एवं उसके बच्चों की तलाश की गई। दौराने विवेचना पुलिस द्वारा आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज भी देखे गये और घटना के बाद अपहर्ता का मोबाइल भी बंद आ रहा था। प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय में हैबियस कार्पस भी प्रचलित थी। उक्त प्रकरण में थाना इन्दरगंज पुलिस द्वारा गंभीरता से गुमशुदा अपहर्ता की पतारसी के प्रयास किये जाकर स्टेटस रिपोर्ट माननीय न्यायालय में समय-समय पर प्रस्तुत की जा रही थी। अपहर्ता के बैंक खाते, आधार कार्ड, पेनकार्ड, आदि की जानकारी प्राप्त की गई। दौराने विवेचना पुलिस को अपहर्ता के आधार कार्ड अपडेट होने संबंधी मोबाइल नम्बर की जानकारी प्राप्त हुई, जो कि आधार कार्ड अपडेट सूरत में किया गया था। पुलिस को तकनीकी सहायता के आधार पर अपहर्ता के सूरत में होने की जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस की एक टीम को सूरत भेजा गया। जहां से पुलिस टीम द्वारा अपहर्ता व उसके दोनों बच्चों को सकुशल दस्तयाब किया गया। आज दिनांक 14.12.2023 को अपहर्ता व उसके दोनों बच्चों को दस्तयाब किये जाने के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय के आदेश पर अपहर्ता को स्वतंत्र छो?ा गया।

घटना का विवरण: दिनांक 07.04.2023 को अपहर्ता अपने दोनों बच्चों के साथ अपनी ससुराल ग्राम बडबारी थाना रिठौरा गई थी। वहाँ से वह अपने देवर को अपने साथ लेकर अपने दोनों बच्चों के साथ ग्वालियर में अपने मृत पति की मोटरसाइकिल दुर्घटना क्लेम के संबंध में जानकारी लेने ग्वालियर न्यायालय में स्थित यूनियन बैंक पर गई, वहाँ से अपहर्ता अपने दोनों बच्चों को साथ लेकर अपने देवर से यह कहकर कोर्ट परिसर से चली गयी कि वह वकील से बात करके आती है। लेकिन जब वह काफी देर तक वापस नहीं आई तो उसके देवर ने दिनांक 08.04.2023 को थाना इंदरगंज ग्वालियर में उसकी गुम होने की रिपोर्ट की। उसके बाद अपहर्ता को आसपास रिश्तेदारियों में तलाश किया गया तो अपहर्ता के फरियादी ससुर को जानकारी मिली कि रेल्वे कालोनी मुरैना में रहने वाला एक व्यक्ति उसकी ल?की को गुमराह कर तथा उसके साथ उसके दोनों नाबालिक बच्चों को बहला फुसलाकर अपहरण कर अपने साथ से गया है। प्रकरण विवेचना हेतु थाना इंदरगंज जिला ग्वालियर को स्थानांतरित किया गया। जिस पर से थाना इन्दरगंज में असल अपराध धारा 363 भादवि का प्रकरण पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया।

सराहनीय भूमिका: इंचार्ज थाना प्रभारी इन्दरगंज शिवम राजावत, उप निरीक्षक दिव्या तिवारी, सउनि सुरेंद्र राजौरिया, प्र.आर. राजेश तोमर, आरक्षक नीरज, पुष्पेंद्र लोधी, म.आर. भूरी बाई, साइबर सेल से आरक्षक अजय की रही है।

नेता प्रतिपक्ष हेतु कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित, अभा कांग्रेस कमेटी करेगी चयन

विधायकों से की वन-टू-वन चर्चा

सजग प्रहरी और पहरेदार के रूप में जनता की आवाज को

सदन से सड़क तक उठायेंगी कांग्रेस- सुरजेवाला

भोपाल, मप्र विधानसभा के लिए नेता प्रतिपक्ष चयन हेतु आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस विधायक दल की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में शामिल हुये सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव पर समर्थन देते हुए नेता प्रतिपक्ष के चयन का निर्णय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी पर छोड़ा है। अभा कांग्रेस कमेटी के महासचिव, मप्र प्रभारी श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला और अभा कमेटी के विधानसभा चुनाव स्क्रूटनी कमेटी के चेयरमेन श्री भंवर जितेन्द्र सिंह की उपस्थिति में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह, अभा कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रभारी संजय कपूर, कुलदीप इंदौरा, सी.पी

संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाला ललित झा गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दबिश जारी

संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले 5 में से 4 आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट ने 7 दिनों की रिमांड पर भेज दि?या है. पुलिस ने इस मामले में संसद भवन के भीतर और बाहर से 2-2 आरोपियों को गिरफ्तार किया था.एक आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया जहां ये लोग संसद में घुसने से एक दिन पहले रुके थे. इस मामले में एक आरोपी जिसका नाम ललित झा है, वह अभी भी पुलिस की गिरफ्त से फरार है. उसकी आखिरी लोकेशन नीमराना के पास की आई है

मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से झटका, दिल्ली आबकारी नीति मामले में खारिज की पुनर्विचार याचिका

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गुरुवार (14 दिसंबर) को सुप्रीम कोर्ट से उनकी पुनर्विचार याचिका के संबंध में झटका लगा है. सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी. कोर्ट ने कहा कि समीक्षा का कोई मामला नहीं बनता है.30 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने शराब नीति मामले में सिसोदिया को जमानत देने से मना कर दिया था. वह इसी आदेश पर दोबारा विचार की मांग कर रहे थे. आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने 29 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी.30 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से मना करते हुए कहा था कि जांच एजेंसी 338 करोड़ रुपये का लेनदेन साबित कर पाई है.

तो क्या हाईटेक कंपनी को त्रिपाठी का मिला अभयदान तो बिना जांच के हो रहा भुगतान

संभाग के संजय गांधी ताप विद्युत गृह में हाईटेक कंपनी के साथ सांठ गांठ कर कंपनी को करोड़ों का चूना लगाने का काम मंडल के वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं जिस पर द्विवार्षिक मरम्मत कार्य पर हाईटेक कंपनी चार करोड़ के टेंडर को 3 करोड़ में देकर जहां एक करोड रुपए का चूना लगाया तो वहीं दूसरे ठेकेदार ने 3 करोड़ के टेंडर को 2 करोड़ में देकर सीधा-सीधा 2 करोड़ का चूना लगाया है जिस पर भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र के माध्यम से व्यापक पैमाने में हो रहे भ्रष्टाचार से अवगत कराया था और जांच की बात कहते हुए जांच के उपरांत ही भुगतान किए जाने की बात कही गई थी लेकिन जब पद पर बैठे अधिकारी ही ठेकेदार के समर्थक बन जाए तो भ्रष्टाचार किस कदर बढ़ सकता है इसका अंदाजा तो लगाया ही जा सकता है

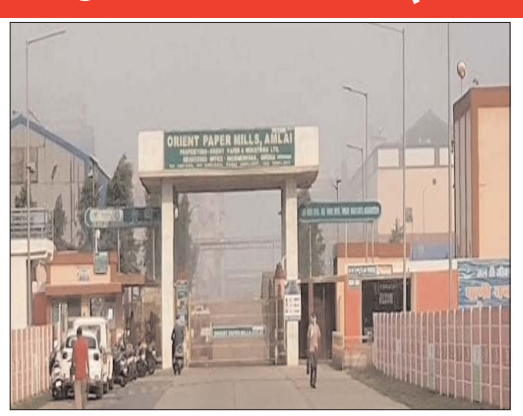

लेकिन 4 करोड़ के टेंडर में हुए व्यापक पैमाने में भ्रष्टाचार की जांच होना चाहिए लेकिन करने वाले ही जब आवेदन दे दिए तो जांच करेगा कौन यह एक विषय है

बिना जांच हुआ भुगतान तो ईओडब्ल्यू में होगी शिकायत-संजय गांधी ताप विद्युत गृह में 500 मेगावाट वार्षिक मरम्मत कर में व्यापक पैमाने में भ्रष्टाचार किया गया है जिसकी शिकायत भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष ने पत्र के माध्यम से करते हुए जांच कर भुगतान करने की बात कही थी लेकिन सूत्र बताते हैं कि मंडल के ही त्रिपाठी जी के द्वारा हाईटेक कंपनी के साथ सांठ गांठ कर भुगतान कराया जा रहा है जबकि मंडल को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है अगर जांच के बिना भुगतान हुआ तो ईओडब्ल्यू में इसकी शिकायत कर जांच कराई जाएगी और बड़ी कंपनियों के सारे पर्दे खोले जाएंगे।

दबोह में खाद के लिये परेशान अन्नदाताओ ने थाने के सामने किया चक्काजाम कर प्रदर्शन

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह-खेतो के लिए खाद अतिआवश्यक है और किसान की रोजी रोटी के लिए खेती आवश्यक है परंतु इन सबमे आवश्यक खाद मिलने में किसानों को बड़ी परेशानी आ रही है।दरअसल मामला तहसील लहार के दबोह का है।जहां पर क्षेत्रीय किसानों को शासकीय खाद्य नही मिल पा रहा है।जिसके चलते गुरुवार को किसानों ने थाना दबोह के सामने चक्काजाम कर जमकर प्रदर्शन किया और किसान एकता जिंदाबाद के नारे भी लगाए।लगभग 1 घण्टे तक मुख्य मार्ग पर जाम की स्तिथि बनी रही जिसके चलते आने जाने वाले लोगो को काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ा।कुछ देर बाद मौके पर मामले को शांत कराने के लिए थाना दबोह पुलिस ने जहमत जुटाकर किसानों से बातचीत तो की परन्तु कोई हल न निकला।जिसके कुछ देर बाद सूचना पर मौके पर नायाब तहसीलदार रमाशंकर शर्मा मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर उन्हें खाद दिलाने का भरोसा दिलाया।जिसके बाद वह अपने साथ किसानो को लेकर थाना परिसर में पहुंचे और वहीं पर खाद्य की पर्ची बनवाई।जिसके बाद खाद मिलना शुरू हो सकी।सूत्रों की माने तो गोदाम प्रभारी पर कई अन्य जगहों का चार्ज भी है जिसके चलते वह यहां कम समय दे पाते हैं जिसकी वजह से किसानो को खाद्य की किल्लत से जूझना पड़ रहा है।

प्राइवेट दुकानों पर बिना रेट व स्टॉक चस्पा किये ऊंचे दामो में बेची जा रही खाद-सूत्रों की माने तो दबोह व क्षेत्र में स्थापित खाद्य की दुकानों पर खाद्य ऊंचे दामो में बेची जा रही है।साथ ही दुकानदार दुकानों पर रेट सूची व स्टॉक चस्पा नहीं किये हैं।जिसकी वजह से किसानों को शासकीय खाद न मिलने की वजह से प्राइवेट दुकानों से खाद लेने में बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।परंतु अगर वरिष्ठ अधिकारी इस ओर ध्यान दें तो खाद की कालाबजारी रुक सकती है।

संकल्प पत्र-2023 का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाए- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

संकल्प पत्र–2023 का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाए– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

खरगोन जिले
मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

सुशासन केवल शब्द न रहे, हमें इसे चरितार्थ करके दिखाना हैमुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संकल्प पत्र क्रियान्वयन के संबंध में दिए निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को साकार कर जनता की जिन्दगी बदलना ही हमारी सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जन-सामान्य ने अपना विश्वास व्यक्त किया है, उनके नेतृत्व में विकास की प्रक्रिया जारी है। विकास और जनकल्याण के लक्ष्य को संकल्प पत्र-2023 के अनुरूप धरातल पर उतारना हमारा उद्देश्य है। सभी विभाग संकल्प पत्र के सभी वादों, संकल्पों और घोषणाओं की पूर्ति का काम मिशन मोड में आरंभ कर समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नवगठित सरकार के संकल्प पत्र के बारे में मार्गदर्शन के लिए मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा सहित समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष और विभिन्न निगम मंडलों के महाप्रबंधक उपस्थित थे।

त्वरित, पारदर्शी, उत्तरदायी और संवेदनशील शासन व्यवस्था प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित की जाए-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता, शुचिता और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण में किया जाए। सरकार के लिए सुशासन सर्वोपरि है। विकास और जनकल्याण के लक्ष्यों को सुशासन के बल पर ही प्राप्त किया जा सकता है। त्वरित, पारदर्शी, उत्तरदायी और संवेदनशील शासन व्यवस्था प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित की जड़

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल आज मैहर और चित्रकूट आयेंगे

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल 15 दिसंबर को मैहर और चित्रकूट के स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जारी कार्यक्रमानुसार उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल रेवांचल एक्सप्रेस से प्रातः 6 बजे मैहर पहुंचेंगे। प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक का समय आरक्षित रहेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल प्रातः 8 बजे मां शारदा देवी के दर्शन करेंगे। इसके उपरांत प्रातः 9:30 बजे चित्रकूट के लिये प्रस्थान करेंगे। प्रातः 11:45 बजे चित्रकूट पहुंचकर गुरुदेव आचारी मंदिर चित्रकूट में हवन-पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

नगरीय क्षेत्रों में 15 दिसम्बर से चलेगा विशेष जाँच अभियान

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में खुले में बिना अनुमति मांस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित किया जायेगा। इसके संबंध में 15 दिसम्बर से सभी नगरीय निकायों में मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 के प्रावधानों के तहत विशेष अभियान चलाया जायेगा। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न शहरों में सामान्यतः किसी भी प्रकार के व्यवसाय, दुकान, बाजार या रेहड़ी आदि लगाने के लिये नगरीय निकायों द्वारा मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के अंतर्गत अनुज्ञा/अनुमति/अनापत्ति प्रदान की जाती हैं। विशेष रूप से किसी भी प्रकार के मांस एवं मछली के विक्रय के लिये नगरीय विकास विभाग के अधिनियमों के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान लागू होते हैं। इसके अंतर्गत जिलों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मांस एवं मछली के विक्रय के संबंध में अतिरिक्त शर्तें लगाई जाती हैं। इस अधिनियम के अंतर्गत मांस एवं मछली के विक्रय के समस्त प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी कांच/दरवाजा एवं साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था होना अनिवार्य है। इसके साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के सामने 100 मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। सभी जिला कलेक्टर्स, नगरीय निकायों के आयुक्तों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अधिनियमों/नियमों एवं लायसेंस की शर्तों का पालन क?ाई से कराने के निर्देश दिये गये हैं। सभी निकाय क्षेत्रों में आगामी 15 दिवस तक अतिक्रमण निरोधी दस्ते तथा स्वास्थ्य अमले के अतिरिक्त जिला एवं पुलिस प्रशासन विशेष अभियान चलायेगा। यह अभियान 15 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 31 दिसम्बर तक निरंतर चलाया जायेगा। अभियान की राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

शासकीय आईटीआई सतना में अप्रेंटिसशिप मेला 18 दिसंबर को

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कौशल विकास संचालनालय म.प्र. के तत्वाधान में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतना द्वारा एक दिवसीय प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन 18 दिसंबर 2023 को प्रातः 9:30 बजे से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतना में किया गया है। जिसमें वीएफ कॉमर्शियल व्हीकल लिमिटेड देवास, भारत वेयर रोपवेज, लिंकअप ग्रुप ऑफ कंपनीज एवं ड्यूरोशॉक्स कंपनी महाराष्ट्र द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। प्राचार्य शासकीय आईटीआई सतना ने बताया कि अप्रेंटिसशिप मेला में 10वीं, 12वीं, डिप्लोमा उत्तीर्ण, स्नातक, एमबीए डिग्रीधारी 18 से 50 वर्ष आयुवर्ग के अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते है। निर्धारित योग्यता पूरी करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों सहित नियत तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर अप्रेंटिसशिप मेला में भाग ले सकते है।

स्कूल, आंगनवाड़ी के नल कनेक्शन का सत्यापन करायें- कलेक्टर

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जल निगम के कार्यों की समीक्षा

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा ने गुरुवार को जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और जल निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर सिंचाई योजनाओं और जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 2492 विद्यालयों और 1540 आंगनबाड़ियों में स्वीकृत नल कनेक्शन की कार्यपूर्णता की जानकारी का सत्यापन कराए जाने के निर्देश दिए। इस मौके पर कार्यपालन यंत्री जल संसाधन रामसुजान नट, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी शरद सिंह तथा जल निगम के अधिकारी और लॉरसन एंड टुब्रो कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पेयजल की समीक्षा बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि जिले के नागौद, सोहावल, मझगवां विकासखंड में स्वीकृत नवीन 220 नल जल योजनाओं में 149 योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं। 66 योजनाएं प्रगति पर है। जिनमें 16 योजनाएं दिसंबर 2023 तक पूर्ण कर ली जाएंगी। विद्यालयों में स्वीकृत 2492 नल कनेक्शन में 2189 और आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वीकृत 1540 कनेक्शन में 1326 पूर्ण कर लिए गए हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने विभाग के कार्यों की धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में किए गए कार्य का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। जल निगम के अधिकारियों ने बताया कि बाणसागर बांध मार्कण्डेय घाट रामनगर से सतना और मैहर जिले के पांच विकासखंड रामनगर, मैहर, उचेहरा, अमरपाटन एवं रामपुर बघेलान के 980 ग्रामों की 17.48 लाख जनसंख्या को पेयजल उपलब्ध कराने 1135 करोड़ लागत की सतना-बाणसागर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड चेन्नई द्वारा किया जा रहा है। जल निगम के आधिपत्य में अब तक योजना का 88 प्रतिशत काम पूरा किया गया है। जिसमें इंटेकवेल का 96 प्रतिशत, जल शोधन संयंत्र का 98 प्रतिशत और सुरंग की खुदाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें 1500 मीटर लंबाई की सुरंग में 635 मीटर में लाइनिंग हो गई है। कलेक्टर ने जल निगम और लार्सन एंड टुब्रो के प्रतिनिधियों को कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अभी तक 93 टंकियां का कार्य अप्रारंभ रहने और कार्य अवधि बढ़ाने पर नाराजगी व्यक्त की। बड़ा इटमा गांव में 100 प्रतिशत कनेक्शन दिए जाने की जानकारी का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वे के दौरान पाए गए हाउसहोल्ड की संख्या कनेक्शन के दौरान कम पाए जाने पर संबंधित सर्वे एजेंसी का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। बताया गया कि सतना जिले के शेष विकासखंड सोहावल के 238 गांव, मझगवां के 304 और नागौद के 243 गांवों में पेयजल पहुंचाने 1872 करोड़ की सतना-बाणसागर ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना का काम भी ग्राम झिन्ना (बाणसागर) में शुरू किया गया है।

कृषि विभाग के अधिकारी संस्थाओं में स्टाक उर्वरक का करेंगे भौतिक सत्यापन

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि जिले में रबी सीजन की बोनी लगभग 80 प्रतिशत हो चुकी है। बोनी उपरांत फसलो की टॉप ड्रेसिंग के लिये सहकारी और निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों में यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। साथ ही जिले की मांग के अनुरुप शासन स्तर से यूरिया की रैक प्रदाय की जा रही है। उप संचालक श्री कश्यप ने बताया कि जिले के किसानों को यूरिया की खरीदी में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिये जिले के सभी विकासखंडों के उर्वरक निरीक्षकों और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को निजी और सहकारी संस्थाओं में उपलब्ध यूरिया की मात्रा का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होने बताया कि सत्यापनकर्ता दल द्वारा उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया जायेगा। निरीक्षण में यूरिया उर्वरक की अद्यतन भौतिक मात्रा का मिलान आईएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित मात्रा से किया जायेगा। साथ ही उर्वरक विक्रय केंद्रों में उपलब्ध उर्वरक की मात्रा की जानकारी और निर्धारित मूल्य प्रदर्शित करने डिस्प्ले बोर्ड भी लगवाये जायेंगे। सत्यापनकर्ता दल के अधिकारी शासन के दिशा-निर्देशों के विपरीत उर्वरक का निर्धारित मूल्य से अधिक पर विक्रय करते पाये जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानानुसार कार्यवाही भी प्रस्तावित किया जाना सुनिश्चित करेंगे। उप संचालक ने बताया कि यदि किसी भी माध्यम से किसान कल्याण एवं कृषि विकास कार्यालय को उर्वरक विक्रय क संबंध में शिकायत प्राप्त होती है तो इसकी संपूर्ण जवाबदेही संबंधित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी की होगी।

नगर निगम की सभी 9 संजीवनी क्लीनिक स्वास्थ्य विभाग को स्थानांतरित

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक योजना के तहत सतना नगर निगम को स्वीकृत कुल 9 संजीवनी क्लीनिक के भवन समय-सीमा में तैयार किये जाकर स्वास्थ्य विभाग को हैंड-ओवर कर दिए गए हैं। इस आशय की जानकारी गुरुवार को कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न नगर निगम के कार्यों की समीक्षा बैठक में दी गई। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत, उपायुक्त भूपेंद्रदेव परमार सहित नगर निगम के अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं योजना प्रभारी उपस्थित रहे। नगर निगम की समीक्षा बैठक में बताया गया कि सतना

नगर निगम को मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक योजना के तहत 25.25 लाख रुपए की लागत से 9 वार्डों में 9 संजीवनी क्लीनिक भवन निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए थे। जिनमें से 21.95 लाख रुपए प्रत्येक की लागत से सभी क्लीनिक भवन का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण कर स्वास्थ्य विभाग को भवन हस्तांतरित कर दिए गए हैं। इनमें संजीवनी क्लीनिक उत्तरी पतेरी अमौधा तालाब के पास वर्ड नंबर-1, संजीवनी क्लीनिक जोन ऑफिस वार्ड नंबर 10, संजीवनी क्लीनिक सामुदायिक भवन के पास उत्तरी पतेरी वार्ड 22, संजीवनी क्लीनिक कामता टोला नजीराबाद वार्ड नंबर 35, संजीवनी क्लीनिक आंगनवाड़ी बगहा के पास वार्ड नंबर 3, संजीवनी क्लीनिक महादेवा रोड तिराहा वार्ड नंबर 30, संजीवनी क्लीनिक पानी की टंकी भरहुत नगर वार्ड नंबर 6, संजीवनी क्लीनिक कृपालपुर बाईपास मंदिर के पास वार्ड नंबर 18 और संजीवनी क्लीनिक बजरहा टोला वार्ड नंबर 41 शामिल है। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने नगर निगम के कार्यों एवं संचालित योजनाओं प्रधानमंत्री आवास शहरी, अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राजस्व किराया, अन्य मदों की राजस्व वसूली, पेयजल, मुख्यमंत्री अधोसंरचना, कायाकल्प अभियान, लाडली बहना, पीएम स्वनिधि एवं नगर निगम की अन्य गतिविधियों की समीक्षा की।

कलेक्टर मैहर ने ली अधिकारियों की बैठक

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर मैहर रानी बाटड एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मैहर द्वारा गुरुवार को अधिकारियों की बैठक लेकर विकसित भारत संकल्प यात्रा रूट चार्ट एवं खुले में मांस-मछली विक्रय पर प्रतिबंध एवं धार्मिक स्थलों पर तीव्र गति से लाउड स्पीकर पर प्रतिबंध के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। उन्होने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले अंतर्गत समस्त एसडीएम, सीएमओ, सीईओ एवं समस्त एसडीओ व समस्त थाना प्रभारियों को भी आवश्यक कार्यवाही के लिये निर्देशित किया।

मैसूर सीरवी प्रीमियर लीग किक्रेट प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों की हुई नीलामी

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मैसूर- श्री आईजी स्पोर्ट्स क्लब मैसूर के तत्वाधान में आयोजित सीरवी प्रीमियर लीग किक्रेट प्रतियोगिता के खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन कर्नाटक सीरवी समाज सभा भवन में किया गया। प्रतियोगिता खिलाड़ियों की नीलामी का शुभारंभ आईमाजी के समक्ष दीप प्रज्वलित से हुआ। प्रयोजक भरत चोयल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में समाज की 10 टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता का आयोजन महाराजा किक्रेट पैदान में 4 जनवरी से शुरू होगा ओर 7 जनवरी को सम्मापन होगा। राकेश पवांर ने बताया कि समाज की खेल प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने ,युवाओं में नेटवर्किंग बढ़ाने, उनकी खेल को प्रदर्शित करने तथा आपसी जुड़ाव बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता के सकारात्मक परिणाम मिलेगे। इस अवसर पर प्रायोजक भरत चोयल, राकेश पंवार, प्रकाश चन्द मुलेवा, माधुसिंह राठौ? एवं समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे

धार्मिक अथवा अन्य स्थान में मापदण्डों के अनुरूप ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जा सकेगा

ध्वनि प्रदूषण की जाँच के लिये सभी जिलों में उड़नदस्ते गठित किये जायेंगे

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि किसी भी प्रकार के धार्मिक स्थल अथवा अन्य स्थान में निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउड स्पीकर/डीजे) आदि का उपयोग किया जा सकेगा। राज्य शासन द्वारा ध्वनि प्रदूषण तथा लाउड स्पीकर आदि के अवैधानिक उपयोग की जाँच के लिये सभी जिलों में उड़नदस्ते गठित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मंत्रालय में प्रभार ग्रहण करने के बाद इससे संबंधित प्रथम नस्ती पर हस्ताक्षर किये। मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थल और अन्य स्थानों पर मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 के प्रावधानों तथा सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में राज्य शासन ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत लाउडस्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियम विरूद्ध तेज आवाज में बिना अनुमति के उपयोग को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। ध्वनि प्रदूषण तथा लाउड स्पीकर आदि के अवैधानिक उपयोग की जाँच के लिये सभी जिलों में उड़नदस्ते नियमित और आकस्मिक रूप से धार्मिक और सार्वजनिक स्थानों जहाँ ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग होता है, का निरीक्षण करेंगे तथा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में अधिकतम 3 दिन में जाँच कर प्रतिवेदन संबंधित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेंगे। उड़नदस्तों में जिला प्रशासन द्वारा नामित अधिकारी, संबंधित थाने का प्रभारी तथा मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नामित अधिकारी सदस्य रहेंगे। जिले के समस्त उड़नदस्तों का नोडल अधिकारी एक अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी स्तर का अधिकारी होगा, जिसे जिला कलेक्टर द्वारा नामित किया जायेगा। धर्म गुरूओं से संवाद और समन्वय के आधार पर लाउड स्पीकरों को हटाने का प्रयास किया जायेगा। ऐसे धार्मिक स्थलों की सूची बनाकर जहाँ इन नियमों और निर्देशों का अनुपालन नहीं हो रहा है, जिला स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा कर पालन प्रतिवेदन आगामी 31 दिसंबर तक गृह विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। ध्वनि प्रदूषण के मामलों की सतत निगरानी के लिये अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध अनुसंधान विभाग) पुलिस मुख्यालय को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी समय-समय पर लाउड स्पीकरों, डीजे आदि के अवैधानिक प्रयोग के संबंध में प्रतिवेदन शासन को प्रस्तुत करेंगे। इस संबंध में गृह विभाग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल का प्रथम नगर आगमन आज

पुष्पांजली टुडे

रीवा, विंध्य के कद्दावर भाजपा नेता मध्यप्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल पदभार ग्रहण करने के बाद कल शुक्रवार को प्रथम बार अपने गृह जिले रीवा आ रहे हैं। वह रेवांचल एक्सप्रेस में भोपाल से चलकर सुबह 6ः00 बजे मैहर उतरेंगे जहां मां शारदा का दर्शन करने के उपरांत चित्रकूट कामतानाथ स्वामी का दर्शन भी दर्शन करने जाएंगे । इसके बाद दोपहर 2.30 बजे कार द्वारा रीवा के लिए प्रस्थान करेंगे । इस दौरान जगह-जगह उनका भारी उत्साह के साथ स्वागत भी किया जाएगा।

पॉच सौ वर्ष बाद 22 जनवरी को होगी ऐतिहासिक दीवाली,धर्मपरिवार का जागरण अभियान जारी, बना संकल्पित कारवां

पुष्पांजली टुडे

रीवा। हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार की महिला शाखा अध्यक्ष प्रज्ञा त्रिपाठी एवं युवा शाखा अध्यक्ष सुमित मॉजवानी के नेतृत्व में रीवा एवं मऊगंज जिले मे 11 लाख दीपक जलाने के अभियान ''एक दीपक जलायें-श्रीराम के नाम'' चलाया जा रहा जन जागरण अभियान लगातार जारी है, जिसमे धर्मपरिवार के सभी पदाधिकारियों-सदस्यों के सामाजिक संगठनों एवं श्रीराम भेक्तों की बड़ी तादाद का समर्थन मिल रहा है और संकल्पित जनसमुदाय का कारवॉ लंबा होता जा रहा है। धर्मपरिवार के आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी के मार्गदर्शन् में हर घर मे प्रत्येक सदस्य द्वारा एक-एक दीपक जलाये जाने के लिये सम्पर्क जारी है। इस पवित्र कार्य मे अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल एवं रामकृष्ण अग्रवाल, यादव समाज के रामसखा यादव, ब्राम्हण समाज के संजय तिवारी मुन्नू, साहू समाज के राजेश साहू, विश्वकर्मा समाज के प्रभात विश्वकर्मा, सीताशरण, जैन समाज के कृष्णा जैन, सिन्धु सेना के रामचंद मदनानी, दीपक वाधवानी, केसरी समाज के अंशुमान गुप्ता, सोनी समाज के डीके सोनी, कुशवाहा समाज के लखपति कुशवाहा, किशन खटिक, सेन समाज के दिनेश सेन के साथ सरपंच इन्द्रमणी सिंह, अधिवक्ता संघ के शिवेन्द्र मिश्रा एड0 आदि अपने साथियों के साथ अपने समाज, परिवार एवं सहयोगियों के बीच लगातार काम कर रहे हैं। आयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं आयोजित कार्यक्रम मे भाग लेने एक प्रतिनिधि मण्डल धर्मपरिवार के द्वारा भेजा जायेगा।

सुमित मांजवानी
युवा अध्यक्ष
हिन्दू उत्सव समिति
धर्मपरिवार रीवा (म0प्र0)

लोकायुक्त रीवा की कार्यवाई

पुष्पांजली टुडे

नाम आवेदक -रामबहोर कोल, पटवारी हल्का पिपराव *पता- ग्राम गोरगी तहसील गुढ गुढ जिला रीवा
आरोपी - विनोद प्रसाद द्विवेदी, सहायक ग्रेड 3 (ऑफिस कानूनगो) कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनगवां जिला रीवा
ट्रेप रिश्वत राशि -5000 रु
घटना स्थल - अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय मनगवां जिला रीवा
कार्य का विवरण- फरियादी द्वारा पटवारी हल्का पिपरांव से स्थानांतरण हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मंनगवा? को दिए गए आवेदन पर पटवारी हल्का पिपरांव से स्थानांतरण करवाने के एवज में आरोपी द्वारा ?10000 की रिश्वत मांग की गई! पूर्व में ?2000 लिए गए और आज दिनांक 14.12. 2023 को ?5000 रिश्वत लेते पकड़ा गया
ट्रेपकर्ता अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण सिंह परिहार
ट्रेप दल के सदस्य - निरिक्षक जिया उल हक सहित 15 सदस्यीय टीम

मॉँस एवं मछली की खुले में बिक्री पर रोक

पुष्पांजली टुडे

रीवा। पूरे प्रदेश के साथ-साथ रीवा जिले में भी खुले में बिना अनुमति माँस तथा मछली के विक्रय पर प्रतिबंध के आदेश दिए गए हैं। इस संबंध में सभी नगरीय निकायों में मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के प्रावधानों के तहत विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में प्रमुख सचिव नगरीय विकास तथा आवास द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में दुकानों के संचालन, रेह?ी लगाने तथा विभिन्न सामग्रियों के विक्रय की अनुमति नगरीय निकाय द्वारा दी जाती है। दी गई अनुमति में सामग्री के बिक्री के संबंध में शर्तों का स्पष्ट उल्लेख रहता है। नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के तहत माँस एवं मछली के विक्रय के सभी प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी काँच अथवा परदा लगाना अनिवार्य है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों में भी इसका स्पष्ट रूप से उल्लेख है। साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार से सौ मीटर की दूरी में माँस, मछली अथवा इसी तरह की अन्य सामग्री का विक्रय तथा प्रदर्शन प्रतिबंधित है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने इसका कठोरता से पालन कराने के निर्देश दिये हैं। माँस तथा मछली का विक्रय करने वालों को समझाइश देकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप दुकान में समुचित साफ-सफाई तथा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। इनका उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध क?ी कार्यवाही करें। स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग तथा नगरीय निकाय के अधिकारी 15 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक विशेष अभियान चलाकर खुले में माँस एवं मछली के विक्रय के संबंध में दिए गए निर्देशों का पालन कराना सुनिश्चित कराएं।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरैना के प्रभारी प्राचार्य 1500 रुपये घूस लेते पकड़े गए

शेषमणि मिश्रा के तीन माह का वेतन निकलने के लिए उपस्थिति पत्रक जारी करना था

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जवा तहसील के अतरैला थाना के ग्राम कटंगी के रहने वाले जन शिक्षक शेषमणि मिश्रा ने शिकायत की लोकायुक्त रीवा ने कार्रवाई की है। आरोपित विद्या चरण अहिरवार प्रभारी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरैना रीवा को 1500 रुपये लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है।

3000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी-लोकायुक्त एसपी गोपाल धाकड़ ने बताया कि गत दिनों आवेदक शेषमणि मिश्रा जन शिक्षक पता ग्राम कटंगी थाना अतरैला तहसील जवा जिला रीवा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि विद्या चरण अहिरवार प्रभारी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरैना ज़िला रीवा द्वारा उसके 3 महीने के रुके हुए वेतन को निकलवाने के लिए 3000 रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही है।

1500 रुपये आरोपित पहले ही ले चुका था-ट्रेपकर्ता अधिकारी इंस्पेक्टर जिया उल हक ने बताया कि आरोपित को डभौरा के अंबेडकर मोहल्ले से दबोचा है। शेषमणि मिश्रा के तीन माह का वेतन निकलना था जिसके लिए उपस्थिति पत्रक प्राचार्य को जारी करना था। इस कार्य के लिए प्राचार्य ने तीन हज़ार रुपये की मांग की थी। 1500 रुपये आरोपित पहले ही ले चुका था। ट्रेप दल में निरिक्षक जिया उल हक सहित 12 शामिल रहे।

कार्रवाई पूरी हो जाने के बाद जमानत पर रिहा-कार्रवाई पूरी हो जाने के बाद प्राचार्य को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। जिसमें उसके द्वारा 1500 रुपये दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद वह लगातार शेष राशि की मांग कर रहे हैं। शिकायत की जांच कराई गई तो शिकायत प्रमाणित पाई गई। इसके बाद निरीक्षक जिया उल हक के नेतृत्व में 15 सदस्य दल का गठन कर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके बाद बुधवार की सुबह तकरीबन 10ः30 बजे डभौरा स्थित विद्यालय में कार्रवाई की गई जिसके बाद उन्हें डभौरा रेस्ट हाउस ले जाकर करवाई पुरी की गई। कार्रवाई पूरी हो जाने के बाद प्राचार्य को जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन हेतु आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चित करायें - जिला निर्वाचन अधिकारी

पुष्पांजली टुडे

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायत उपनिर्वाचन (उत्तरार्ध) का निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले के राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिन पंचायतों में उपनिर्वाचन हो रहा है वहां आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चित करायें।

उल्लेखनीय है कि जिले के त्योंथर जनपद अन्तर्गत गोपाल पुरवा, देउर, घूमा, चुनरी, रजहा, कैथा, कोरोव, डोड किया, बड़ागांव व सूची में तथा जनपद सिरमौर अन्तर्गत हरदुआ व गंगेव के म?ीकला पंचायत में पंच पद का निर्वाचन होगा। निर्वाचन के तारतम्य में 11 जनवरी 2024 तक संबंधित क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील रहेगी। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार आज 15 दिसंबर को प्रातः 10.30 बजे संबंधित ग्राम पंचायत में रिक्त पदों के आरक्षण के संबंध में सूचना के प्रकाशन के साथ ही मतदान केन्द्रों की सूची प्रकाशित की जायेगी। नाम निर्देशन पत्र 22 दिसंबर तक लिये जायेंगे। 23 दिसंबर के नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा होगी तथा 26 दिसंबर अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि है। मतदान 5 जनवरी 2024 को होगा।

पुलिस अधीक्षक रीवा के द्वारा ली गई अपराध समीक्षा बैठक

पुष्पांजली टुडे

रीवा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के द्वारा रीवा जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की अपराध समीक्षा संबंधी बैठक ली गई, बैठक के दौरान भा.द.वि. , पॉक्सो एक्ट के अपराधों, महिलाओं पर घटित अपराधों, अनुसूचित जाति / जनजाति जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत पंजीबद्ध अपराधों पर अंकुश लगाए जाने, पीडितों को शासन से प्राप्त होने की विधिक सहायता उपलब्ध कराने तथा सम्पत्ति संबंधी अपराधों में आरोपियों की पतासाजी, गिर?तारी व मशरूका बरामदगी किए जाने, सडक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने के संबंध में प्रभावी कार्यवाही, नाबालिक बालक / बालिकाओं की शत् प्रतिशत् दस्तयाबी करने, लंबित अपराधों, मर्गो, लंबित चालानो को न्यायालय मे पेश कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए एवं टैबलेट के माध्यम से ई.विवेचना कार्यवाही करने के संबंध में निर्देश दिए गए है। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीवा अनिल सोनकर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) हिमाली पाठक, व शहर के समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना/चौकी प्रभारी उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संकल्प यात्रा के तैयारियों की समीक्षा की

प्रदेश भर में 16 दिसम्बर से समारोह पूर्वक शुरू होगी संकल्प यात्रा

पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तैयारियों की समीक्षा की। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री श्री यादव ने कहा कि 16 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रत्येक जिले में समारोह पूर्वक शुभारंभ करें। चुने हुए जनप्रतिनिधियों की इस यात्रा में भागीदारी सुनिश्चित करें। केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार की सभी प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं का संकल्प यात्रा के दौरान व्यापक प्रचार-प्रसार करें। साथ ही विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को मौके पर योजनाओं का लाभ दें। संकल्प यात्रा की प्रतिदिन की गतिविधियों की कलेक्टर मॉनीटरिंग करके उसे ऑनलाइन दर्ज कराना सुनिश्चित करें। इस कार्यक्रम में महिला स्वसहायता समूहों की भागीदारी भी सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं के प्रचार के लिए प्रचार रथ भ्रमण करेगा। प्रत्येक रथ एक दिन में दो स्थानों का भ्रमण करेगा। इनके 26 जनवरी तक भ्रमण का कार्यक्रम तथा रूट चार्ट निर्धारित कर दें। संकल्प यात्रा के लिए जिला, विकासखण्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। इनके माध्यम से संकल्प यात्रा का सफल आयोजन कराएं। संकल्प यात्रा के दौरान जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री प्रणाम योजना सहित केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम स्थल में सभी प्रमुख 11 विभागों के स्टॉल अनिवार्य रूप से लगाएं। पूरी यात्रा के आयोजन की भलीभांति तैयारी कर लें। शिविरों में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच तथा दवा वितरण की भी व्यवस्था कराएं। संकल्प यात्रा का राज्य स्तरीय कार्यक्रम उज्जैन के दशहरा मैदान में आयोजित किया जाएगा। सभी जिलों में समारोह पूर्वक संकल्प यात्रा का शुभारंभ करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों में माँस और मछली की खुले में बिक्री पर रोक लगाएं। इनकी दुकानों में दरवाजे में काले काँच अथवा पर्दे लगवाएं। धार्मिक स्थलों से 100 मीटर की परिधि में भी माँस- मछली की बिक्री प्रतिबंधित रहेगी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी गई।कमिश्नर कार्यालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष से कमिश्नर अनिल सुचारी, संयुक्त आयुक्त निलेश परीख एवं संभागीय अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव, आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे, सभी एसडीएम तथा अन्य संबंधित अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शामिल हुए।

सीनियर वर्ग में प्रथम- देवांश एवं अभिषेक द्वितीय- अमर चौहान व तृतीय स्थान दिवांशी ने स्थान प्राप्त किया!सरफराज डीपी मौर्य (प्रबंधक महादेवी हायर सेकेंडरी स्कूल) डा. प्रवेश सिंह ने बच्चों को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया आपको बताते चले की विगत दिनों हुए पेंटिंग मेहंदी रंगोली सामान्य ज्ञान

फैंसी ड्रेस एवं गायन का भी पुरस्कार वितरण संपन्न हुआ इस प्रकार पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम-सार्थक सिंह, तनविका सिद्धांत, मनदीप कुमार, सब जूनियर,जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया द्वितीय स्थान लक्ष्यता सैनी, खुशी मौर्य जैज़, शिवम कुमार राव, सुरभि दुबे ने सब जूनियर,जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया तृतीय पुरस्कार अनुराग चौरसिया, नंदनी यादव,निवेदिता कनौजिया, अनामिका कुमारी सब जूनियर,जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया।
मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम-लक्ष्मी साहनी अंकित मौर्य
जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया द्वितीय पुरस्कार सौम्या यादव, निधि यादव,जूही शर्मा, रागनी मौर्य ने जूनियर,जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया वह तृतीय स्थान राजलक्ष्मी पाल, ज्योति जयसवाल ने जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया
रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम- खुशी यादव, दीक्षा सोनकर
सुधांशु, अभिषेक शिवांगी, तनु
जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया
द्वितीय स्थान आराध्या कनक प्रिया जैनब मानसी, सुरभि दुबे ने जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया
तृतीय स्थान आराध्या सारिका दिव्यांशी अनामिका तिवारी ने
जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया
सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता
वर्ग में रखा गया था जिसमें
आभास, सृष्टि,साधना, प्रियंजलि सिंह

वर्ग में प्राप्त किया
द्वितीय स्थान काव्य दीपक आशुतोष श्रेया एवं अंशिका, ड्ड ष स्त्र वर्ग मैं प्राप्त किया तृतीय स्थान-प्रिया गौतम अनुष्का सिंह सौम्या मौर्य आकाश शर्मा ने वर्ग मे
प्राप्त किया
फैंसीड्रेस प्रतियोगिता में प्रथम- पलक मौर्या द्वितीय-आर्यन यादव वह तृतीय-
रूद्र श्रीवास्तव ने स्थान प्राप्त किया
गायन प्रतियोगिता में-प्रथम सैयद अयान हसन, कार्तिकेय पांडेय, विकास सिंह ने
सब जूनियर,जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया
द्वितीय स्थान-अर्णीत सिंह अंशिका वैभव पांडेय सब जूनियर,जूनियर, सीनियर वर्ग में प्राप्त किया
तृतीय स्थान-सुमित सिंह हिमांशु शाश्वत वैभव श्रीवास्तव ने प्राप्त किया
सभी विजेताओं को सम्मानित अतिथियों ने मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया कार्यक्रम को सफल बनाने में आमिर खान, अशोक गुप्ता, यस श्रीवास्तव, आकाश जायसवाल, नंदिनी सैनी, सोनम यादव,
महक जायसवाल, सुशील सिंह,
नरेंद्र शिल्पकार, दिव्यांशु पांडेय आकांक्षा,अर्चना, ,शेख शहजादे, अंशिका श्रीवास्तव
नूपुर श्रीवास्तव प्रतिमा यादव,
दर्शिता आनंद, सुनील मौर्य, नीलू मौर्या, साजन, विकास सिंह अभिषेक सोनकर आदि लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

संपादक की कलम से

भारत में विवाह समारोहों की अर्थव्यवस्था

भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार पवित्र शादियों के धार्मिक संस्कारों के माध्यम से दो आत्माओं का मिलन कराया जाता है। कहा तो यहां तक भी जाता है कि दूल्हा और दुल्हन शादी के धार्मिक संस्कारों के माध्यम से सात जन्मों तक के लिए एक दूसरे के हो जाते हैं। इसलिए, शादी के समय विभिन्न अध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांसारिक संस्कारों को सम्पन्न कराने के लिए समाज के गणमान्य नागरिकों, नाते रिश्तेदारों, परिवार के सदस्यों को साथ लेकर विभिन्न प्रकार के भव्य आयोजन सम्पन्न किए जाते हैं। इन आयोजनों में विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं एवं आजकल तो ऐसे शुभ अवसरों पर भारी मात्रा में व्यय भी किया जा रहा है। शादी के विभिन्न आयोजनों पर किए जाने वाले भारी भरकम खर्च से देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नवम्बर 2023 माह से लेकर आगामी लगभग 4 माह के दौरान 38 लाख से अधिक शादियों के आयोजन सम्पन्न होने जा रहे हैं। केवल 4 माह की इस अवधि में लगभग 4.75 लाख करोड़ की राशि का व्यय होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 35 लाख शादियों पर 3.75 लाख करोड़ रुपए की राशि का व्यय हुआ था। कन्फेडरेशन ओफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार, भारत में इस वर्ष शादियों के मौसम में सबसे अधिक खर्च करने का विश्व रिकार्ड बनाया जा सकता है। पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष एक लाख करोड़ रुपए अधिक राशि शादियों पर खर्च होने जा रही है। शादी के विभिन्न कार्यक्रमों में विभिन्न मदों पर होने वाले खर्च के सम्बंध में भी अनुमान लगाए गए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष नए कपड़े और नई ज्वेलरी को खरीदने की मद पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने वाली है, मेहमानों की खातिरदारी पर 60,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने जा रही है, शादी समारोह से जुड़े कार्यक्रमों पर 60,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने जा रही है। विश्व का कोई भी देश शादियों के मौसम में इतनी भारी भरकम राशि का खर्च नहीं करता दिखाई दे रहा है क्योंकि अन्य देशों में शादी के समारोहों पर इतना खर्च किया ही नहीं जाता है। यह तो भारतीय सनातन संस्कृति ही है जिसके अंतर्गत शादी के समय विभिन प्रकार के संस्कार सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कई प्रकार के आयोजन सम्पन्न किए जाते हैं। आज विकसित देशों में तो विवाह नामक संस्था उपलब्ध ही नहीं है और ह्लव मैरिजह्व नामक रिवाज का पालन किया जा रहा है। साथ ही अब तो बगैर विवाह के ह्लिव इन रिलेशनह्व नामक रिवाज ही चल पड़ा है। विकसित देशों के युवा इस प्रकार के रिवाजों के चलते बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं और कुछ समय पश्चात ही आपस में रिश्तों को ह्लतलाकह्व का रूप दे देते हैं। यदि इस बीच किसी जोड़े को बच्चा हो भी जाता है तो उसे ह्लसिंगल पेरेंटह्व के रिवाज के तहत केवल मां के पास ही रहना होता है। इस प्रकार वह बच्चा अपने पिता के प्यार से वंचित रहता है और उस बच्चे का मानसिक विकास नहीं हो पाता है। इन्हीं कारणों के चलते आज विश्व के कई देशों में बुजुर्गों की संख्या तो बढ़ती जा रही है परंतु युवाओं की संख्या कम होती जा रही है, जिसका सीधा सीधा प्रभाव इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। अतः कुल मिलाकर यह सनातन संस्कृति के संस्कार ही हैं जो भारत में आज भी कुटुंब व्यवस्था को जीवित रखे हुए हैं। संयुक्त परिवार सामान्यतः केवल भारत में ही दिखाई देते हैं, जहां बुजुर्गों की देखभाल इन संयुक्त परिवारों में बहुत ही सहज तरीके से होती है। अन्यथा, विकसित देशों में चूंकि संयुक्त परिवार का चलन नहीं के बराबर है अतः बुजुर्गों की देखभाल इन देशों की सरकार को ह्लसोशल बेनीफिट्सह्व योजना के अंतर्गत करनी होती है। आज कुछ देशों में तो ह्लसोशल बेनीफिट्सह्व की मद पर इतना अधिक खर्च होने लगा है कि इन देशों की बजट व्यवस्था ही भारी दबाव में आ गई है। इसके ठीक विपरीत, भारत में विभिन्न त्यौहार भी बड़े ही उत्साह से मनाए जाते है जिसके कारण भारत में सामाजिक तानाबाना ठीक बना हुआ है। इसी सामाजिक तानेबाने के ठीक अवस्था में रहने के चलते ही इस वर्ष, दीपावली एवं धनतेरस के त्यौहारी मौसम में भारत में 3.75 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ है। साथ ही, केवल करवा चौथ के दिन 15,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था।

विष्णुदेव साय के बहाने आदिवासी राजनीति साधी

विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री घोषित करके भारतीय जनता पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीवंत आदिवासी समाज को उन्नति के नये शिखर एवं राजनीति में समुचित प्रतिनिधि देने के लिये प्रतिबद्ध है। द्रौपदी मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति बनाकर उन्होंने इस समुदाय की आशाओं पर खरे उतरने की कोशिश की है। निश्चित ही विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने से आदिवासी समुदाय में खुशी जगी है, छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पड़ोसी राज्य झारखंड और ओडिशा में भी भाजपा को लाभ मिलेगा, वही मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान के आदिवासी समुदाय के लोगों भी प्रभावित किया जा सकेगा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से विष्णुदेव साय का निर्णय नया राजनीतिक धरातल तैयार करेगा एवं नयी राजनीतिक दिशाओं को उद्घाटित करेगा।

जमीन से जुड़े, विनम्र, ईमानदार एवं सादगीप्रिय विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की दूरगामी सोच एवं राजनीतिक परिपक्वता से जुड़ी साहसिक एवं करिश्माई राजनीति की निष्पत्ति है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में विष्णुदेव साय इसलिए बड़ा नाम है, क्योंकि अब तक चार बार के सांसद, तीन बार के विधायक और छत्तीसगढ़ में भाजपा के अध्यक्ष की कमान एवं केंद्र सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। 26 साल की उम्र में ही पहली बार विधायक बनने वाले विष्णुदेव के दिवंगत दादा बुधनाथ साय 1947 से 1952 तक विधायक रह चुके हैं। उनके दिवंगत ताऊ नरहरि प्रसाद साय भी दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुके हैं। विष्णुदेव साय ने ताजा चुनाव कुनकुरी विधानसभा सीट से लड़ा था, जिसमें उन्होंने 25 हजार 541 वोट से जीत दर्ज की। कम बोलने और बेहद

विनम्र माने जाने वाले विष्णुदेव साय को, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का बेहद करीबी माना जाता है। निश्चित ही उनकी मुख्यमंत्री की पारी ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण बनेगी। 21 फरवरी 1964 को एक आदिवासी परिवार में जन्में विष्णुदेव साय ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई कुनकुरी के लोयला हायर सेकेंडरी स्कूल से की है।

अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा भी था, विष्णुदेवजी हमारे अनुभवी कार्यकर्ता हैं, नेता हैं, सांसद रहे, विधायक रहे, प्रदेश अध्यक्ष रहे। एक अनुभवी नेता को भाजपा आपके सामने लाई है। आप इनको विधायक बना दो, उनको बड़ा आदमी बनाने का काम हम करेंगे।ह्व अमित शाह ने बड़ा आदमी बनाने का अपना वायदा इतना जल्दी पूरा कर दिया है। वैसे भी 32 फीसद आदिवासी जनसंख्या वाले छत्तीसगढ़ की विधानसभा में आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 पर भाजपा के कब्जे के बाद माना जा रहा था कि किसी आदिवासी विधायक को भाजपा मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री बना सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के बाद से ही भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाया है। भ्रष्टाचार में लिप्त विपक्षी पार्टी के नेताओं के घरों पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की रेड हो रही है। झारखंड के कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के घर पर इनकम टैक्स की रेड और 500 करोड़ रुपए की बरामदी हुई है। इसलिये भाजपा ईमानदार नेताओं को आगे लाना चाहती है, विष्णुदेव साय जमीन से जुड़े हैं, आदिवासी हैं और लंबे समय से राजनीतिक जीवन में रहने के बावजूद भ्रष्टाचार के आरोपों से दूर हैं। ऐसे में वे भाजपा के इस कैटेगरी में एकदम फिट बैठे और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार भी। ईमानदारी के साथ विनम्रता भी उनकी बड़ी विशेषता है। एक दिन पहले उन्होंने कहा-ह्वविनम्रता को कमजोरी नहीं मानना चाहिए। मैं तो इसे अपनी ताकत मानता हूं और मेरी कोशिश रहेगी कि आजीवन विनम्र बना रहूं।ह्व

राजनीतिक स्वार्थ के चलते आजादी के बाद से जंगलों और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले आदिवासियों को हमेशा से दबाया और कुचला जाता रहा है जिससे उनकी जिन्दगी अभावग्रस्त ही रही है। कांग्रेस ने आदिवासी के नाम पर सत्ता तो अनेक बार हासिल की, लेकिन उनके कल्याण के लिये कोई ठोस काम नहीं किये। जबकि आदिवासी समुदाय को कांग्रेस विचारधारा का ही माना जाता रहा है, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने अपनी सूझबूझ एवं विवेक से आदिवासी लोगों का दिल जीता है। वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री रहते नरेन्द्र मोदी गुजरात के आदिवासी इलाके कवांट में जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में एक समारोह में 15 हजार करोड़ की वनबंधु योजना की शुरूआत की। इनदिनों इन्हीं जैन मुनि की चर्चा चुनाव सभाओं में एवं गुजरात की एक सभा में प्रधानमंत्री ने की। उनके मन में आदिवासी कल्याण की भावना है। राजनीति जोड़तोड की दृष्टि से देखा जाये तो कांग्रेस जहां मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण एवं तुष्टिकरण कर रही है तो भाजपा के लिये आदिवासी समुदाय ही रोशनी बनते हुए दिख रहे हैं। निश्चित ही आगामी लोकसभा चुनाव में इन आदिवासी वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका बनने वाली है।

जब भाजपा हिन्दू राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर है, ऐसे में आदिवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आदिवासियों में एक बड़ी समस्या धर्मपरिवर्तन की है। प्रलोभनों एवं साम्प्रदायिक ताकतों के कारण कई आदिवासी अपने धर्म को बदलकर आदिवासी समाज से बाहर हो रहे हैं जिसमें ईसाई धर्म को सर्वाधिक स्वीकार गया है। ईसाई मिश्नरियों ने भारत के आदिवासी क्षेत्र छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, अंडमान निकोबार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र में धर्मांतरण के लिये विद्यालयों एवं छात्रावासों में सफल अभियान चलाया है। ऐसे में आदिवासी की अपनी संस्कृति एवं उनका अस्तित्व खतरा में आ गया। आदिवासी अर्थात जो प्रारंभ से वनों में रहता आया है। करीब 400 पीढ़ियों पूर्व सभी भारतीय वन में ही रहते थे और वे आदिवासी थे परंतु विकासक्रम के चलते पहले ग्राम बने फिर कस्बे और अंत में नगर, महानगर। यही से विभाजन होना प्रारंभ हुआ। जो वन में रह गए वे वनावासी, जो गांव में रह गए वे ग्रामवासी और जो नगर में चले गए वे नगरवासी कहलाने लगे। भारत में लगभग 25 प्रतिशत वन क्षेत्र है, इसके अधिकांश हिस्से में आदिवासी समुदाय रहता है। लगभग नब्बे प्रतिशत खनिज सम्पदा, प्रमुख औषधियां एवं मूल्यवान खाद्य पदार्थ इन्हीं आदिवासी क्षेत्रों में हैं। भारत में कुल आबादी का लगभग 11 प्रतिशत आदिवासी समाज है। इसी बड़ी आबादी को प्रभावित करने के लिये द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाना एवं विष्णुदेव को मुख्यमंत्री बनाना भाजपा की परिपक्व राजनीति को दशार्ता है। विष्णुदेव साय का निर्णय राज्य में आदिवासी वोटर्स को ध्यान में रखते हुए सामने आया है। इससे पहले भी आदिवासी वोटर को साधने के लिए भाजपा ने कई सकारात्मक घोषणाएं की है। ऐसे में कहा जा सकता है कि भाजपा एक सोची-समझी रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है।

स्वतंत्रता आन्दोलन में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे अनेक महान आदिवासी हुए हैं जिन्होंने भारत की मिट्टी एवं उसके स्वतंत्र अस्तित्व-आजादी के लिए अपना बलिदान एवं महान योगदान दिया। ऐसे महान वीर आदिवासियों से भारत का इतिहास समृद्ध है, जिनमें अप्पा साहब, तात्या टोपे, डा. बी.आर. अम्बेडकर, जयपाल सिंह मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गंडाधुरा, शहीद रानी दुगार्वती, शहीद बीरसा मुंडा, शहीद सिद्धों, कानु, शहीद तिलका मांझी, शहीद गेंद सिंह, झाड़ा सिरहा जैसे महान आदिवासियों ने अपना बलिदान देकर समाज एवं देश के लिये एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। फिर क्या कारण है कि इस जीवंत एवं मुख्य समाज को देश की मूल धारा से काटने के प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं। आजादी के बाद बनी सभी सरकारों ने इस समाज की उपेक्षा की है। यही कारण है कि यह समाज अनेक समस्याओं से घिरा है। भाजपा आदिवासी समाज के अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने के प्रयासों को नियंत्रित करने एवं सक्रिय होकर आदिवासी कल्याण की योजनाओं को लागू करने में जुटी है। निश्चित तौर पर लोकसभा चुनाव में आदिवासी वोट काफी अहम होगा। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में फिर आदिवासी कार्ड खेला है। विष्णुदेव साय प्रभावी आदिवासी नेता हैं और आदिवासी समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ है। भाजपा रणनीति के तहत आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग को साधने की कोशिश शुरू कर दी है जिसके चमत्कारी परिणाम आयेंगे।

प्रेषकः
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट 25 आई पी एक्सटेंसन, पटपड़गंज
दिल्ली-110092
फोनः-22727486, मोबाईलः- 9811051133

स्वदेशी रोजगार एवं व्यापार की आत्मा है

- ललित गर्ग-

भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का स्वदेशी एक महत्वपूर्ण आन्दोलन, सफल रणनीति व राष्ट्रीय दर्शन है। ह्यस्वदेशीह्न का अर्थ है- अपने देश का, अपने देश में निर्मित। इस रणनीति का लक्ष्य ब्रिटेन में बने माल का बहिष्कार करना तथा भारत में बने माल का अधिकाधिक प्रयोग करके साम्राज्यवादी ब्रिटेन को आर्थिक हानि पहुँचाना व भारत के लोगों के लिये रोजगार सृजन करना था। यह ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने और भारत की समग्र आर्थिक व्यवस्था के विकास के लिए अपनाया गया साधन था। आज आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये स्वदेशी-दर्शन के बल पर भारत को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संकल्पबद्ध है। उपनिवेशी मानसिकता से मुक्त होकर, अपने देश में जो है उसको युगानुकूल बनाते हुए, ह्यस्वह्न आधारित स्व-देशी विकासपथ अपनाने की उनकी मुहीम का प्रभाव है कि हम अब सैन्य उपकरण तक आयात नहीं, बल्कि निर्यात करने की स्थिति में है। स्वदेशी कोई रूढ़िवाद नहीं, बल्कि रोजगार, व्यापार एवं संस्कृति की आत्मा है। 12 दिसंबर 1930 भारत के स्वदेशी आंदोलन का अत्यंत महत्वपूर्ण दिन बना, इसे आज भी स्वदेशी दिवस के रूप में याद किया जाता है।

लोकमान्य गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी के स्वदेशी अपनाने का आह्वान और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आंदोलन से प्रेरित होकर विदेश वस्त्रों से भरी लारी को रोकते हुए बाबू गेनू शहीद हो गए। अंग्रेजों की हुकूमत देश को आर्थिक रूप से लूट रही थी। अंग्रेज कपास, रेशम, पटसन व लोहा आदि कच्चे माल को भारत से विदेश ले जाते और लंदन से माल लाकर महंगे दामों पर बेचते। अंग्रेजों की इस कुटिल अर्थनीति को विफल करने के आन्दोलन में बाबू गेनू ने पूरी शक्ति से भाग लिया। देशप्रेम की भावना के वशीभूत होकर कभी-कभी सामान्य सा दिखायी देने वाला व्यक्ति भी बहुत बड़ा काम कर जाता है। ऐसा ही बाबू गेनू के साथ हुआ। एक बार उनका एक बैल पहाड़ी से गिर कर मर गया। इस पर बड़े भाई ने उसे बहुत डांटा। इससे दुखी होकर गेनू मुम्बई आकर एक कपड़ा मिल में काम करने लगा। उसी मिल में उसकी माँ कोंडाबाई भी मजदूरी करती थी। उन दिनों देश में स्वतन्त्रता का संघर्ष छिड़ा था। स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग तथा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का आन्दोलन जोरों पर था। 22 वर्षीय बाबू गेनू भी इस आन्दोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। मिल के अपने साथियों को एकत्र कर वह आजादी एवं स्वदेशी का महत्व बताया करते थे। 26 जनवरी, 1930 को ह्यसम्पूर्ण स्वराज्य माँग दिवसह्न आन्दोलन में बाबू गेनू की सक्रियता देखकर उन्हें तीन महीने के लिए जेल भेज दिया, पर इससे बाबू के मन में स्वतन्त्रता प्राप्ति की चाह और तीव्र हो गयी। 12 दिसम्बर, 1930 को मिल मालिक मैनचेस्टर से आये कपड़े को मुम्बई शहर में भेजने वाले थे। जब बाबू गेनू को यह पता लगा, तो उसका मन विचलित हो उठा। उसने अपने साथियों को एकत्र कर हर कीमत पर इसका विरोध करने का निश्चय किया। 11 बजे वे कालबादेवी स्थित मिल के द्वार पर आ गये। धीरे-धीरे पूरे शहर

में यह खबर फैल गयी। इससे हजारों लोग वहाँ एकत्र हो गये। यह सुनकर पुलिस भी वहाँ आ गयी। कुछ ही देर में विदेशी कपड़े से लदा ट्रक मिल से बाहर आया। उसे सशस्त्र पुलिस ने घेर रखा था। गेनू के संकेत पर घोण्डू रेवणकर ट्रक के आगे लेट गया। इससे ट्रक रुक गया। जनता ने ह्यवन्दे मातरम्ह्न और ह्यभारत माता की जयह्न के नारे लगाये। पुलिस ने उसे घसीट कर हटा दिया, पर उसके हटते ही दूसरा कार्यकर्ता वहाँ लेट गया। बहुत देर तक यह क्रम चलता रहा। यह देखकर अंग्रेज पुलिस सार्जेण्ट ने चिल्ला कर आन्दोलनकारियों पर ट्रक चढ़ाने को कहा, पर ट्रक का भारतीय चालक इसके लिए तैयार नहीं हुआ। इस पर पुलिस सार्जेण्ट उसे हटाकर स्वयं उसके स्थान पर जा बैठा। यह देखकर बाबू गेनू स्वयं ही ट्रक के आगे लेट गया। सार्जेण्ट की आँखों में खून उतर आया। उसने ट्रक चालू किया और बाबू गेनू को रौंद डाला। सब लोग भौंचक रह गये। सड़क पर खून ही खून फैल गया। गेनू का शरीर धरती पर ऐसे पसरा था, मानो कोई छोटा बच्चा अपनी माँ की छाती से लिपटा हो। उसे तत्क्षण अस्पताल ले जाया गया पर उसके प्राण पखेरू तो पहले ही उड़ चुके थे। इस प्रकार स्वदेशी के लिए बलिदान देने वालों की माला में पहला नाम लिखाकर बाबू गेनू ने स्वयं को अमर कर लिया। तभी से 12 दिसम्बर को ह्यस्वदेशी दिवसह्न के रूप में मनाया जाता है।

इस प्रकार बाबू गेनू के बलिदान दिवस को पूरे देश में स्वदेशी दिवस के रूप में मनाया जाता। स्वदेशी उत्पाद उचित दाम के साथ लाभकारी सिद्ध होते है। स्वदेश की चीजों अपनाने से हमारा धन हमारे ही देश में रहता है एवं हमारे उत्पादों को बल मिलता है, इससे हमारी आर्थिक स्थितियां मजबूत होती है, व्यापार एवं उद्योग को बल मिलता है। विदेशी वस्तुओ और कंपनियों का सामान खरीद कर हम धीरे-धीरे अपने देश का पैसा बाहर भेज रहे हैं और चीन जैसे देश इसी से आर्थिक महाशक्ति बने हुए है। भारत की अर्थव्यवस्था विदेशी कंपनियों की गुलाम बन रही है, इससे बचने का एक मात्र उपाय है स्वदेशी प्रचार। अपने जीवन में जितना संभव हो सके स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग कीजिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि स्वदेशी का ये भाव सिर्फ विदेशी कपड़े के बहिष्कार तक ही सीमित नहीं था, बल्कि ये हमारी आर्थिक आजादी का बहुत बड़ा प्रेरक था। आज उनके आह्वान पर ह्यवोकल फॉर लोकलह्न की स्पिरिट के साथ देशवासी पूरे मन से स्वदेशी उत्पाद खरीद रहे हैं और यह एक जन आंदोलन बन गया है। आत्मनिर्भर भारत का सपना बुनने और मेक इन इंडिया को बल प्रदान करने वाले लोग खादी को मात्र कपड़ा ही नहीं, बल्कि हथियार समझते हैं। यही कारण है कि नौ साल पहले खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार मात्र 25 हजार, 30 हजार करोड़ रुपए के आसपास ही था। आज ये एक लाख तीस हजार करोड़ रुपए से अधिक तक पहुंच चुका है। पिछले 9 वर्षों में ये जो अतिरिक्त 1 लाख करोड़ रुपए इस सेक्टर में आए हैं। इस अतिरिक्त आमदनी से जुटा धन अब हथकरघा सेक्टर से जुड़े गरीब भाई-बहनों के पास पहुंच रहा है, यह धन गांवों एवं आदिवासियों के पास पहुंच रहा, इसी से गरीबी दूर हो रही है। नीति आयोग ने कहा भी है कि पिछले 5 साल में साढ़े तेरह करोड़ लोग भारत में गरीबी से बाहर निकले हैं।स्वदेशी-अभियान को बल देते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक ने व्यापक उपक्रम किये हैं, स्वदेशी जागरण मंच इसके लिये प्रतिबद्ध है। रक्षाबंधन एवं दीपावली पर स्वदेशी निर्मित राखियों, दीयों एवं पटाखों के प्रयोग से न केवल आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बनाया है बल्कि असंख्य छोटे उद्योगों एवं कामगारों को ताकतवर बनाया है। गणेश उत्सव, दशहरा, दीपावली, दुगार्पूजा आदि पर्वों पर स्वदेशी के संकल्प को दोहरा कर हमने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर किया है। आज वोकल फॉर लोकल की भावना के साथ देशवासी स्वदेशी उत्पादों को हाथों-हाथ खरीद रहे हैं, ये एक जनआंदोलन बन गया है। बापू ने आंदोलन के जरिए जनता से स्वदेशी चीजे अपनाने की बात कही। स्वावलंबी गाँव आर्थिक विकेंद्रीकरण का ही रूप है जिसका आधार स्थानीयता एवं उस पर आधारित प्रौद्योगिकी संसाधन है। इसका उद्देश्य लोगों की सेवा करना और उन्हें आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाना है। इस व्यवस्था में उत्पादन, उपभोग स्थानीय होने के कारण मालिक, श्रमिक और उपभोक्ता तीनों एक ही हो जाते हैं, यही इसकी विशिष्टता है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वावलम्बी अर्थ-व्यवस्था पर जोर दे रहे हैं, यह गांधी के सिद्धान्तों पर ही आधारित है। महात्मा गांधी ने हस्तशिल्प व कुटीर उद्योग को हमेशा बढ़ावा दिया है। उनके ग्राम स्वराज का सपना था कि गांव के कुटीर, लघु और कृषि उद्योग तेजी से आगे बढ़े। अगर देश का हर नागरिक सोचे कि जो वह स्वदेशी उत्पाद इस्तेमाल कर रहा है, उससे न केवल देश की कंपनी का फायदा होगा, बल्कि देश में ज्यादा से ज्यादा रोजगार उत्पन्न होंगे, तो देश तेजी से आत्मनिर्भर एवं आर्थिक ताकत बनने की ओर बढ़ेगा।

इतने दबाव में क्यों है भाजपा

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव का परिणाम घोषित हुए दस दिन होने वाले हैं। उसके उपरांत भी अभी तक ना तो विधायक दल की बैठक बुलाई गई है ना ही नेता का नाम ही सामने आया है। जबकि 115 सीटें जीतकर भाजपा ने पूर्ण बहुमत प्राप्त कर लिया है। राजनीतिक हल्का में चर्चा है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा मुख्यमंत्री बनने के लिए की जा रही लाबिंग के चलते विधायक दल का नया नेता चुनने की प्रक्रिया ठंडी पड़ी हुई है। वसुंधरा राजे दिल्ली जाकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर राजस्थान की राजनीति पर लंबी चर्चा कर चुकी है।

पिछले दिनों जयपुर में घटे एक घटनाक्रम ने भाजपा के बड़े नेताओं को चौंका दिया है। बारां जिले में किशनगंज से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक ललित मीणा के पिता हेमराज मीणा जो स्वयं पूर्व विधायक हैं। उन्होंने जयपुर में मीडिया को बताया कि उनके बेटे विधायक ललित मीणा सहित बारां, झालावाड़ जिलों के पांच विधायकों को जयपुर में सीकर रोड स्थित होटल आपनो राजस्थान में जबरन रखा गया है और उन्हें घर नहीं आने दिया जा रहा है। हेमराज मीणा ने भाजपा कार्यालय के सामने मीडिया को बताया कि जब मैं अपने विधायक बेटे ललित मीणा को लेने होटल गया तो वहां पर विधायक कंवरलाल मीणा ने जोर जबरदस्ती करते हुए कहा कि झालावाड़ के सांसद दुष्यंत सिंह के कहने पर ही हम उन्हें जाने देंगे। उसके बाद होटल आपनो राजस्थान में हेमराज मीणा ने पुलिस बुलाकर बखेड़ा खड़ा किया तब जाकर वह अपने पुत्र ललित मीणा को साथ लेकर आ सके।

होटल में विधायकों को रखने की बात हेमराज मीणा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, संगठन महासचिव चन्द्रशेखर, पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह को भी बताई। हालांकि विधायक कंवरलाल मीणा ने पूर्व विधायक हेमराज मीणा के आरोपी को झूठा बताते हुए कहा कि हम सब अपनी मर्जी से वहां रुके थे। हमें किसी ने जबरन नहीं ठहराया था। जब कुछ अनजान लोग आकर ललित मीणा को ले जाने लगे तो हमने उन्हें नहीं ले जाने दिया और जब हेमराज जी मीणा अपने पुत्र विधायक ललित मीणा को लेने आए तो उनके साथ भेज दिया था। जयपुर में हुई इस घटना से भाजपा आलाकमान के कान खड़े हो गए और उन्हें एहसास हो गया कि प्रदेश में सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है। अंदर खान कोई नया खेल करने के प्रयास में लगा हुआ है।वसुंधरा राजे के दिल्ली से जयपुर लौटने के बाद करीब एक दर्जन विधायक उनसे मिलने पहुंचे। जिसे वसुंधरा गुट द्वारा अपने शक्ति प्रदर्शन के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। वसुंधरा गुट के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल का कहना है कि किसी अनुभवी नेता को ही मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए जो राजस्थान को अच्छे से संभाल सके। राजस्थान में भाजपा के पास वसुंधरा राजे से अधिक लोकप्रिय कोई चेहरा नहीं है।वहीं राजनीतिक हलकों से निकालकर जो बातें आ रही है उससे लगता है कि भाजपा आलाकमान किसी भी स्थिति में वसुंधरा राजे को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के मूड में नहीं है। वसुंधरा राजे के लिए सबसे नकारात्मक बात उनका दो बार मुख्यमंत्री बनने के बाद दोनों ही बार पार्टी का चुनाव हार जाना रही है।2003 में वसुंधरा राजे 120 सीटों के बहुमत के साथ मुख्यमंत्री बनी थी। मगर 2008 में पार्टी की सीट घटकर 78 रह गई थी। इसी तरह 2013 में वसुंधरा राजे 163 सीटों के बहुमत के साथ मुख्यमंत्री बनी थी। मगर 2018 में भाजपा की सीट घटकर 73 ही रह गई थी।पार्टी नेताओं का मानना है कि चुनाव के समय वसुंधरा राजे कांग्रेस सरकार की एंटी इनकमबेसी के बल पर सरकार बना लेती है। मगर खुद के मुख्यमंत्री रहते भी उनकी सरकार के प्रति आमजन में भारी नाराजगी व्याप्त हो जाती है और उन्हें सत्ता से हटाना पड़ता है। इस बार पार्टी आलाकमान चाहता है कि ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया जाए जो पांच साल बाद फिर से सरकारी रिपीट कर सके। मगर वसुंधरा राजे अपनी जिद पर अड़ी हुई है कि वह स्वयं के अलावा अन्य किसी को मुख्यमंत्री पद पर बैठने नहीं देना चाहती है। हालांकि वसुंधरा राजे के सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह पर पार्टी विधायकों के बाड़ाबंदी के आरोप लगने के बाद वसुंधरा राजे बैक फुट पर आ गई है। उन्होंने दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की तो उनके साथ उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह भी थें। चर्चा है कि उन्होंने दुष्यंत सिंह के बाड़ेबंदी के आरोपों पर भी सफाई दी है। इधर भाजपा से विधायक बने चारों सांसदों डॉक्टर किरोडी लाल मीणा, दीया कुमारी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ व बाबा बालकनाथ ने लोकसभा व राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है।राजस्थान में भाजपा की सरकार गठन में अबकी बार जितना समय लग रहा है उतना पहले कभी नहीं लगा। इसलिए लोगों के मन में संशय पैदा हो रहा है। हालांकि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे को राजस्थान के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। जो राजस्थान के विधायकों से मिलकर रायशुमारी कर विधायक दल की बैठक बुलाएंगे। राजनाथ सिंह का राजस्थान में पर्यवेक्षक बनकर आना अपने आप में बहुत कुछ कहता है। राजनाथ सिंह भाजपा में सबसे हैवीवेट नेता माने जाते हैं। उनकी छवि ट्रबल शूटर की रही है। पार्टी के दो बार राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके

विशिष्ट कृति

दुनिया में नहीं तुम्हारा जैसा कोई जोड़,
ईश्वर ने अलग बनाया क्या खूब बेजोड़,
मत सोचो उस जैसा नायक -नायिका दिखता हूं,
उसके जैसा चलता- फिरता उसके जैसा सोचता हूं,
वह तुम नहीं तुम वह नहीं बन सकते,
फिर क्यों बुराइयों -अच्छाइयों के कसीदे पढ़ते,
महान हो तुम जैसी नहीं चित्त वृत्ति,
मत भूलो ईश्वर की तुम हो विशिष्ट कृति।
तुम सबसे ऊंचे कवि जैसे नहीं लिखते,
सबके अपने-अपने अलग विचार बिखरते,
छोड़कर अपनी औरों की तुलना,
परत दर परत अलग भावों का खुलना,
वह तुम जैसा तुम उस जैसे बनना चाहते,
घूम फिरकर फिर उसी स्थल पर पाते,
सबकी अपनी अलग महत्ता कहां है आवृत्ति,
मत भूलो ईश्वर की तुम हो विशिष्ट कृति।
मत अफसोस मनाओ अच्छे दिन कब आएंगे,
जो दिन मिले हैं जीवन में वह भी सिमट जाएंगे,
प्यार में अंधे होकर हम अपना दुख -सुख भूल जाते,
बड़ी दूर तक चलकर हम बहुत ही पछताते,
समय रहते पहचान ले अपनी वास्तविकता,
इधर-उधर भगाना जीवन की स्वाभाविकता,
रखनी पहचान तो छोड़ो भूली बिसरी स्मृति,
मत भूलो ईश्वर की तुम हो विशिष्ट कृति।
सोये हुए सपने नहीं अपने होते,
सफल वही जो जागकर कर्म का बीज बोते,
तेरा कर्म तेरा ही बनकर रह जाएगा,
अच्छा है फिर इंसान के काम जरूर आएगा,
औरों से हटकर अलग अपनी सोच,
फिर किस बात का जीवन में रहे अफसोस,
करते हैं परेशान जो विचार पा उससे निवृत्ति,
मत भूलो ईश्वर की तुम हो विशिष्ट कृति।

- डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

हिन्दू धर्म में बहुत महत्व रखता है खरमास

खरमास हिन्दू धर्म और ज्योतिष में बहुत महत्व रखता है, क्योंकि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत करने से पहले शुभ समय या मुहूर्त जरूर देखा जाता हैं। साथ ही सूर्य के चाल भी देखते हैं, क्योंकि सूर्य जब धनु और मीन राशि में आते हैं तब खरमास लग जाता है। अतः शुभ कार्यों को करने की मनाही है। खरमास से संबंधित 20 खास नियम, जिनका पालन करना है आवश्यक

- खरमास 16 दिसंबर 2022 से 14 जनवरी 2022 तक जारी रहेगा। अतः इस समय में सगाई, शादी, वधु प्रवेश, गृह प्रवेश, घर निर्माण, नया व्यापार का आरंभ तथा किसी भी तरह का कोई भी मांगलिक कार्य ना करें।
- खरमास में पूरे महीने में सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि करके प्रतिदिन चढ़ते सूरज को अरघ्य अर्पित करें, यह सेहत, समृद्धि के लिए लाभदायी रहेगा और ऐसा करने से शुभ फल भी मिलेगा।
- इस महीने भगवान श्री कृष्ण के प्रसन्न करने के लिए गौशाला जाकर गौमाता को गुड़, हरा चना खिलाएं और उनका पूजन करें।
- यदि गौशाला जाना प्रतिदिन संभव ना हो तो घर में गाय की मूर्ति या तस्वीर लगाकर उसका पूजन करें।
- खरमास के महीने में आप जितने असहाय और गरीबों की मदद करेंगे उतना लाभ मिलेगा, क्योंकि खरमास ही एक ऐसा महीना है जिसमें दान और पुण्य करने का सबसे अधिक फल मिलता है।
- प्रतिदिन ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नानादि से निवृत्त होकर श्री विष्णु का केसर मिले दूध से अभिषेक करें और कम से कम 11 बार विष्णु मंत्र- 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः' का तुलसी की माला से जाप करें।
- खरमास को मलमास भी कहा जाता है। इस माह आने वाली सभी एकादशियों का व्रत-उपवास करके भगवान श्री विष्णु का पूजन करें और उन्हें तुलसी के पत्तों के साथ खीर का भोग लगाएं।
- हिन्दू धर्म में इस महीने को शुभ नहीं माना जाता है। अतः हिन्दू धर्म के विशिष्ट व्यक्तिगत संस्कार भी निषेध हैं, जैसे नामकरण, यज्ञोपवीत, शुभ विवाह और कोई भी धार्मिक संस्कार नहीं करें।
- जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर स्थिति में हो उन्हें सूर्यदेव का पूजन, अरघ्य, उपासना आदि इस माह अवश्य करना चाहिए।
- इस माहपर्यंत श्री विष्णु का पूजन करके तीर्थस्थान पर जाकर स्नान-दान करने का भी विशेष महत्व है।
- इस महीने नई वस्तुएं, नया घर, प्लॉट, घर अथवा कार या इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी नहीं करनी चाहिए।
- नौकरी अथवा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए खरमास की नवमी तिथि को छोटी कन्याओं को भोजन करवाएं, यह पुण्य फलदायी कार्य होगा।
- इस माह में बुरे अथवा कुविचारों को त्यागें, बुरी आदतें और नशे की लत हो तो छोड़ दें, दुराचार आदि का भी त्याग करके धार्मिक कार्यों में मन लगाएं।
- इस महीने में प्रतिदिन सूर्यदेव की उपासना करके आदित्य हरदय स्तोत्र का पाठ करें।
- इस माह सायंकाल के समय सूर्यदेव की आराधना करने से जहां जीवनपर्यंत भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है, वहीं अन्न, जल आदि किसी भी वस्तु की जीवन में कमी नहीं रहती।
- यश-कीर्ति की चाह रखने वालों को, उत्तम स्वास्थ्य, शिक्षा, संतान और करियर में सफलता के लिए प्रतिदिन प्रातःकाल में उग रहे लाल सूर्यदेव को अरघ्य दें।
- इस महीने अपने इष्टदेव की पूजा-अर्चना और सेवा करने तथा दान-पुण्य देने से पुण्य का संचय होता है।
- खरमास में पीपल वृक्ष का पूजन करना शुभ फलदायी माना जाता है, क्योंकि पीपल में भगवान श्री विष्णु का वास माना जाता है।

ज्ञान का अद्भुत भंडार है श्रीमद्भगवद्गीता

गीता कहती है कि जीवन रोने के लिए नहीं, भाग जाने के लिए नहीं है, हंसने और खेलने के लिए हैं। यह हमें संकटों से, हिम्मत से लड़ने की प्रेरणा देती है। गीता मानव मात्र को जीवन में प्रतिक्षण आने वाले छोटे-बड़े संग्रामों के सामने हिम्मत से खड़े रहने की शक्ति देती है। श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान का अद्भुत भंडार है। हम हर काम में तुरंत नतीजा चाहते हैं लेकिन भगवान ने कहा है कि धैर्य के बिना अज्ञान, दुख, मोह, क्रोध, काम और लोभ से निवृत्ति नहीं मिलेगी। आइए जानें खास बातें.

- श्रीमद्भगवद्गीता एक दिव्य ग्रंथ है। गीता मरना सिखाती है, जीवन को तो धन्य बनाती ही है। यह हमें पलायन से पुरुषार्थ की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है।
- श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दुओं के पवित्रतम ग्रंथों में से एक है।
- गीता जयंती मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को मनाई जाती है।
- गीता केवल धर्म ग्रंथ ही नहीं यह एक अनुपम जीवन ग्रंथ है। जीवन उत्थान के लिए इसका स्वाध्याय हर व्यक्ति को करना चाहिए।
- श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि महाभारत का युद्ध है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्याय हैं और महाभारत का युद्ध भी 18 दिन ही चला था।
- अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था।
- गीता में कर्तव्य को ही धर्म कहा है। भगवान कहते हैं कि अपने कर्तव्य को पूरा करने में कभी भी लाभ-हानि का विचार नहीं करना चाहिए।
- गीता के 700 श्लोकों में हर उस समस्या का समाधान है, जो हर इंसान के सामने कभी न कभी आती हैं।
- गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी जयंती मनाई जाती है।

भगवान ने अर्जुन को निमित्त बनाकर, गीता के ज्ञान द्वारा विश्व के मानव को पुरुषार्थ करने की प्रेरणा दी है।

खरमास में करें सूर्य देव की उपासना

क्यों खरमास में मंगल कार्यों (शादी-विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार, नूतन गृह प्रवेश इत्यादि) को करना उत्तम नहीं बताया गया है। गुरु का ध्यान सूर्य देव पर रहता है। खरमास में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, किंतु मंगल शहनाई नहीं बजती। खरमास 15 जनवरी की रात तक रहेगा। काशी पंचांग के अनुसार सूर्य जब गुरु की राशि धनु या मीन में विराजमान रहते हैं, तो उस घड़ी को खरमास माना जाता है और

में जनेऊ संस्कार, मुंडन संस्कार, नव गृह प्रवेश, विवाह आदि नहीं करना चाहिए। इसे शुभ नहीं माना गया है, वहीं विवाह आदि शुभ संस्कारों में गुरु एवं शुक्र की उपस्थिति आवश्यक बताई गई है। ये सुख और समृद्धि के कारक माने गए हैं। खरमास में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, किंतु मंगल शहनाई नहीं बजती। इस माह में सभी राशि वालों को सूर्य देव की उपासना अवश्य करनी चाहिए।

गुरु का ध्यान सूर्य देव पर

इसका एक धार्मिक पक्ष यह भी माना जाता है कि सूर्य देव जब बृहस्पति के घर में प्रवेश करते हैं, तो देव गुरु का ध्यान एवं संपूर्ण समर्पण उन पर ही केंद्रित हो जाता है। इससे मांगलिक कार्यों पर उनका प्रभाव सूक्ष्म ही रह जाता है जिससे कि इस दौरान शुभ कार्यों का विशेष लाभ नहीं होता इसलिए भी खरमास में मंगल कार्यों को करना उत्तम नहीं बताया गया है।

क्या होता है मासिक कार्तिगाई दीपम

हिंदी पंचांग के अनुसार हर माह की त्रयोदशी को दक्षिण भारत में कार्तिगाई दीपम का पर्व मनाया जाता है। मार्गशीर्ष माह में इसका खासा महत्व रहता है। इस दिन सूर्यास्त के पश्चात दीप जलाकर भगवान शिव और उनके पुत्र कार्तिकेय की पूजा की जाती है। इस दिन का नाम कर्तिका नक्षत्र से लिया गया है, क्योंकि इस दिन कृतिका नक्षत्र प्रबल रहता है।

इस दिन भगवान शिव और कार्तिकेय की पूजा करने से जीवन में नकारात्मकता शक्ति का नाश होकर सकारात्मक ऊर्जा और प्रकाश का संचार होने लगता है। भगवान कार्तिकेय की कृपा से परिवार में सबकुछ कुशल मंगल रहता है। कहते हैं कि यह पर्व ब्रह्मा और विष्णु की उस प्रतियोगिता से जुड़ा है जिसमें वे दोनों शिवजी को अपनी श्रेष्ठता का परिचय देने के लिए एक ज्योति स्तंभ के अंतिम छोर को देखने के लिए जाते हैं। कार्तिगाई दीपम पर भगवान शिव के इसी ज्योति स्वरूप का पूजन किया जाता है।

- इस दिन भगवान शिव के दिव्य ज्योति स्वरूप की पूजा होती है। इस दिन पंक्तिबद्धि तरह से दीपक जलाते हैं।
- प्रातः काल उठने के बाद स्नानादि से निवृत होकर व्रत संकल्प लें। इसके बाद भगवान शिवजी की पूजा-उपासना और आरती करें।
- यदि आप दिनभर निराहार उपवास करने में सक्षम नहीं हैं तो फलाहार कर सकते हैं।
- संध्याकाल में शुभ मुहूर्त में दीप प्रज्वलित करके भगवान शिव का आहवान करें और पुनः उनकी पूजा और अरती करें।
- अगले दिन प्रातः भगवान की पूजा-अरती करने के बाद स्वयं भोजन ग्रहण करके व्रत का पारणा करें।

शनिदेव को समर्पित रत्न है नीलम

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार नीलम रत्न व्यक्ति को रंक से राजा बना सकता है। यह रत्न शनिदेव को समर्पित होता है। इस रत्न को हर कोई धारण नहीं कर सकता है। जहां ये रत्न रंक से राजा बना देता है वहीं अशुभ होने पर ये रत्न राजा को भी रंक बना सकता है। ज्योतिष गणनाओं के अनुसार नीलम रत्न को धारण करने से पहले कुंडली का विचार करना जरूरी होता है।.

नीलम रत्न के फायदे

- जिन लोगों के लिए नीलम शुभ होता है उन्हें इसका तुरंत फायदा दिखने लगता है।
- स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।
- धन- लाभ होने लगता है।
- नौकरी और व्यापार में तरक्की होने लगती है।
- शनि की वक्री चाल से इन राशियों को हो रहा है फायदा, जानें क्या आप भी हैं इस लिस्ट में शामिल

नीलम रत्न के अशुभ होने पर इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है

- नीलम हर किसी को शुभ फल नहीं देता है। जिन लोगों के लिए ये शुभ नहीं है, उन्हें स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।
- धन- हानि हो सकती है।
- कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

ऐसे करें पहचान नीलम आपके लिए शुभ है या नहीं

नीलम रत्न को धारण करने से पहले उसको तकीया के नीचे रखकर सोएं। अगर आपको रात में कोई भी बुरा स्वप्न नहीं आता है और अच्छी गहरी नींद आती है तो इसका मतलब है ये रत्न आपके लिए शुभ है। अगर आपको अच्छी और गहरी नींद नहीं आती है तो इस रत्न को धारण न करें। रत्न धारण करने के बाद अशुभ घटना होने पर इस रत्न को तुरंत उतार दें।

बंद किस्मत खोल सकती हैं मिट्टी ये तीन चीजें

प्राचीन काल से ही मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल होता आ रहा है। हालांकि वर्तमान समय में मिट्टी के बर्तनों की जगह प्लास्टिक या अन्य धातु से बने बर्तनों ने ले ली है। लेकिन आज भी सजावट के लिए ज्यादातर लोग मिट्टी से बनी चीजों का प्रयोग करते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी के बर्तन व्यक्ति की बंद किस्मत को जगा सकते हैं। विद्वानों के अनुसार, घर पर मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल शुभ माना जाता है। कहते हैं कि ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जानिए वास्तु में किन तीन मिट्टी की चीजों को घर पर रखना शुभ माना जाता है।

मिट्टी का घड़ा

वास्तु के अनुसार, मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि घर आती है। मिट्टी का घड़ा सदैव उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए। इसके साथ ही घड़े को कभी खाली नहीं छोड़ना चाहिए। मान्यता है कि घर पर मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि का वास होता है। आपको बता दें कि आज भी आयुर्वेदाचार्य मिट्टी के घड़े का पानी सेहतमंद बताते हैं।

मिट्टी का प्रतिमाएं

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पूजा स्थल पर मिट्टी से बनी देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखना शुभ हता है। इसलिए घर के मंदिर में हमेशा मिट्टी से बनी देवी-देवताओं की मूर्ति रखनी चाहिए। इन प्रतिमाओं को हमेशा घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) या दक्षिण-पश्चिम दिशा में ही रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मिट्टी का दीपक

वर्तमान समय में पूजा स्थल पर मिट्टी के दीपक का बहुत कम लोग इस्तेमाल करते हैं। मिट्टी के दीपक की जगह धातु से बने दीपक का इस्तेमाल होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी से बने दीपक को घर पर जलाना शुभ होता है। कहते हैं कि ऐसा करने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सब्जी व्यापारी की अतुल भुगडा की दुकान पर पार्टनर ने किया कब्जा, मारपीट कर भगा दिया

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली थोक सब्जी मंडी में पार्टनरशिप दुकानदार को पूर्व मंडी अध्यक्ष ने मारपीट कर दुकान से भगा दिया। अब अपने ही पार्टनर को दुकान में काम नहीं करने दे रहा है। पीड़ित युवक अब पुलिस विभाग के दफ्तर के चक्कर लगा रहा है।दरअसल सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सब्जी मंडी पूर्व मंडी अध्यक्ष इरशाद खान पिता मुन्ना खान और तरुण भुगडा उर्फ तन्नू पुत्र स्व.जोगराज भुगड़ा की पार्टनरशिप में एक दुकान है जो कि वर्षों से पार्टनरशिप में है लेकिन कुछ महीने पहले इरशाद खान ने तरुण भुगडा की

मारपीट कर उसे दुकान से बाहर निकाल दिया हैपीडित तरुण भुगडा ने बताया कि मैंने इस मामले की शिकायत सिटी कोतवाली से लेकर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया से लेकर बीते मंगलवार को जनसुनवाई में भी की है लेकिन सिटी कोतवाली टीआई विनय यादव ने कई दिन तक कार्यवाही के नाम पर टालते रहे इसके बाद पुलिस अधीक्षक के कहने पर केवल आदम चेक काट कर चलता कर दिया है।आवेदक तरुण भुगड़ा का कहना है कि पिता की फर्म पर दर्ज दुकान कूटरचित दस्तावेजों से साझेदार द्वारा हड़प ली है। आवेदक सब्जी व्यापारी तरुण उर्फ तन्नू पुत्र स्व. जोगराज भुगड़ा ने शिकायत में कहा कि 27 साल पहले आर्य समाज मंदिर के पीछे स्थित थोक सब्जी मंडी में मुन्ना खान पुत्र रमजान खान हम्माली करता था। पिता के निधन के बाद मुन्ना खान ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर स्वयं को फर्म व दुकान का स्वामी घोषित कर दिया।जबकि पिता के नाम से फर्म थी। 27 सितंबर 2023 की दोपहर 1 बजे साझेदार मुन्ना से पूछताछ की तो वह बदसलूकी करने लगा। मुन्ना खान और पूर्ण सब्जी मंडी अध्यक्ष इरशाद राइन पुत्र मुन्ना राइन गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी और मारपीट कर दुकान से बहार निकाल दिया।

धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का निर्धारित समय एवं डेसीबल में उपयोग किया जाए

धर्मगुरुओं के साथ बैठक आयोजित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिले में धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों लाउडस्पीकर, डीजे आदि का निर्धारित समय एवं डेसीबल में उपयोग किया जाए। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने बैठक में शासन द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के संबंध में जारी निर्देशों के संबंध में बताया।जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में धर्मगुरुओं के साथ आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया, अपर कलेक्टर विवेक रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी एवं धार्मिक गुरूजन उपस्थित थे।कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ

जबलपुर द्वारा ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के संबंध में जारी दिशा निर्देशों के क?ाई से अनुपालन कराने तथा ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किये जाने के सम्बन्ध में प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए हैं। विभिन्न धार्मिक स्थलों पर निर्धारित डेसिबल ध्वनि का उल्लंघन करते हुए लाउडस्पीकर का उपयोग किए जाने से मनुष्य के काम करने की क्षमता, आराम, नींद और संवाद में व्यवधान पड़ता है।सभी धर्मगुरु, धार्मिक स्थलों से जुड़े लोग इसमें सहयोग और समन्वय से काम करें। शासन के निर्देशों का पालन कराएं। सभी ने सहयोग का आश्वासन भी दिया।उन्होंने कहा कि जिले में ध्वनि प्रदूषण के संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित जांच कर कार्यवाही निष्पादित किए जाने हेतु उड़नदस्तों का गठन भी किया जाएगा। उक्त दस्ते में जिला प्रशासन द्वारा नामित अधिकारी, संबंधित थाने का थाना प्रभारी अथवा उसका प्रतिनिधि एवं म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नामित अधिकारी शामिल रहेंगे।विभिन्न क्षेत्रों जैसे औद्योगिक क्षेत्र में दिन के समय में 75 डेसीबल, रात के समय में 70 डेसीबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में दिन के समय में 65 डेसीबल, रात के समय में 55 डेसीबल, रिहायशी क्षेत्र में दिन के समय में 55 डेसीबल, रात के समय में 45 डेसीबल व शांत क्षेत्र में दिन के समय में 50 डेसीबल, रात के समय में 40 डेसीबल तक ध्वनि सीमा रहेगी।

बिना लाईसेंस व खुले में मांस बिक्री करने पर होगी कार्यवाही

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- नगर पलिका अधिनियम 1961 की धारा 268 एवं 269 के तहत नगरीय क्षेत्र अंतर्गत अनुमति लायसेंस के बिना पशु मॉस तथा मछली के विक्रय नही करने का प्रावधान है। जो भी दुकान संचालक बिना लायसेंस के बिक्री कर रहे हैं, वह 03 दिवस के भीतर अपनी दुकान का लायसेंस नगर पलिका कार्यालय से बनवाना सुनिश्चित करें।मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा आम नागरिकों एवं खुले में मांस व मछली विक्रेताओं को सूचित किया है कि अपनी दुकान का लायसेंस नगर पलिका कार्यालय से बनवाना सुनिश्चित करें। बिना लायसेंस के पशु मॉस तथा मछली के विक्रय करते हुए पाए जाने पर ऐसे सभी दुकानदारों व आम नागरिकों के खिलाफ चालानी व अन्य वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में शुक्रवार 15 दिसम्बर को सुबह 10 बजे मानस भवन में बैठक नगर पलिका द्वारा रखी गई है, जिसमें सभी आम नागरिकों एवं खुले में मांस व मछली बिक्रेताओं को आमंत्रित किया गया है।

प्रोपर्टी विवाद को लेकर पिता ने कराया बेटे पर बदमाशों से हमला

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वालेएप्रोच रोड पर रहने बाले अनिल कुशवाह पर बदमाशों ने हमला बोल दिया पति व पिता को पिटता देख उसको बचाने आई पत्नी व बेटी भी के साथ भी बदमाशों ने मारपीट की। पीड़ित ने घटना की रिपोर्ट कोलारस थाने में दर्ज कराई जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है की बेटे अनिल कुशवाह का पिता से कोई प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा है इसी बात को लेकर पिता ने बदमाशों को बेटे को पीटने के लिए भेजे थे। मारपीट की ये घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसके आधार पर पुलिस ने बदमाशो की तलास कर शुरू कर दी हैं

हरिजन बस्ती के रहवासी कीचड़ में रहने को मजबूर ।

मुंगावली -दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता जितेंद्र राय

-पिपरई ग्राम पंचायत गरेंठी की हरिजन बस्ती में पिछले 3 साल से इस तरह कीचड़ भरे रास्ते से निकलने को मजबूर हैं। गांव के ही ग्राम पंच राजेंद्र सिंह सोलंकी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि हम काफी दिनों से देख रहे हैं कि ग्रामीण परेशान हो रहे हैं में जनपद सीओ और सरपंच से बात कर बताया जाएगा और आपकी सड़क सीसी डलवाई जाएगी । हम गरीब बस्ती हरिजनों के घरों के सामने ना तो फर्श है, ना सफाई है,गंदा पानी घरों आगे गलियों में भरा है, जिससे मच्छर पैदा हो रहे हरिजन बस्ती वाले मच्छर के काटने से बीमार भी हुए हैं । बूढ़े और बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी का 3 साल से सामना करना पड़ रहा है। हम गरीबों को राम भरोसे ही छोड़ दिया गया है। मात्र 50 फीट रास्ते में कीचड़ है यहां रास्ते में एक से दो फीट गहरे गड्ढे हैं । इस समस्या से हमे मुक्त कराकर सीसी सड़क बनाई जय ।

आईमाता मंदिर के शिखर पर चढ़ाई धज्जा

दैनिक पुष्याजंली टुडे

गांधीधाम। सीरवी समाज आईमाता मंदिर गांधीधाम की आठवीं वर्षगांठ धूम-धाम से मनाई। गुरुवार को सुबह मंदिर में विशेष पुजा- अर्चना की गई। उसके बाद श्री आई माताजी की अमर ध्वजा के लाभार्थी रामलाल सेंणचा परिवार की ओर से और भेरुजी की ध्वजा के लाभार्थी नेमाराम का काग परिवार की ओर से जयकारों के बीच मंदिर के शिखर पर धज्जा चढ़ाई गई। वही शाम को भजन संध्या का आयोजन रखा गया। स्थानीय भजन गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक मधूर भजनों की प्रस्तुतियां दी। शाम को प्रसादी का आयोजन रखा गया।

पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार मुकदमा पंजीकृत

अम्बेडकर नगर । जनपद के अहिरौली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अहिराडीह विलोलपुर की निवासिनी भानमती पत्नी भागीरथी का आरोप है कि 12/12/2023 को दिन में करीब 1.30 बजे सगे पट्टीदार पुराने मकान की ईट के बंटवारे को लेकर श्यामनरायन पुत्र सुखदेव, सुभाष पुत्र आशाराम रंदीप पुत्र श्यामनारायन मां-बहन की भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए सबलोग मकान की छत को तोड़ना शुरु कर दिये, मेरे हल्ला-गोहार करने पर विपक्षीगण गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे पीड़िता ने अहिरौली पुलिस से न्याय कि गुहार लगाई मामले में अहिरौली पुलिस ने 504,506,427 की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

शिकायतकर्ता ने जिला विकास अधिकारी के ऊपर लगाया गम्भीर आरोप फर्जी वाडा

दैनिक केशरिया हिन्दुस्तान
अयोध्या मण्डल ब्यूरो

अम्बेडकर नगर।जिला विकास अधिकारी अंबेडकर नगर द्वारा किया गया एक फर्जी वाडा सामने आया। मामला विकासखंड अकबरपुर के सोनगांव में 2020 21 में आवंटित प्रधानमंत्री आवास से संबंधित है।शाहिद मुनीर सिद्दीकी ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दी थी कि ग्राम पंचायत सोनगांव में 2020ड्ड21 तीन लोगों को प्रधानमंत्री आवास की तीनो किश्त मिल चुकी है और आवास का निर्माण पूरा नहीं किया गया जिसके लिए तत्कालीन सचिव हंस प्रकाश सिंह पूर्ण रूप से दोषी हैं पूर्व मैं की गई शिकायत पर जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में शिकायत की पुष्टि करते हुए लिखा कि तीनों लाभार्थियों का आवास पूरा नहीं हुआ है। जिसपर शिकायत करते हुए तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव फिर हंस प्रकाश सिंह के विरुद्ध विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। शिकायत की जांच खंड विकास अधिकारी अकबरपुर सतीश कुमार तिवारी को मिली जो जिला विकास अधिकारी के साथ अकबरपुर विकास खंड में खंड विकास अधिकारी पद पर भी स्वयं के आदेश से तैनात हैं। शिकायत की पोर्टल पर अपलोड आख्या में विकासखंड अकबरपुर का खंड विकास अधिकारी सतीश कुमार सिंह को दर्शाया गया है। जबकि जिला विकास अधिकारी ने सतीश कुमार सिंह को 14 सितंबर 2023 को विकासखंड भीटी के खंड विकास अधिकारी पद से जिला मुख्यालय पर प्रशासनिक आधार पर संबद्ध कर दिया था वह आज भी जिला मुख्यालय पर ही संबद्ध है। विकासखंड अकबरपुर से उनके संबद्ध होने का कोई आदेश नहीं है। सतीश कुमार सिंह को विकासखंड अकबरपुर में खंड विकास अधिकारी का वित्तीय प्रशासनिक कोई भी अधिकार नहीं है ऐसे में जिला विकास अधिकारी सतीश कुमार सिंह ने शिकायत की फर्जी जांचकर रिपोर्ट अपलोड करने के लिए सतीश कुमार सिंह का नाम खंड विकास अधिकारी अकबरपुर डालकर शिकायत को निस्तारित करवा लिया। जो व्यक्ति मुख्यालय पर संबद्ध है वह विकासखंड की जांच कर आख्या कैसे अपलोड कर सकता है। प्रकरण में मुख्य आरोपी आरोपी हंस प्रकाश सिंह जो वर्तमान में विकासखंड अकबरपुर में ही सहायक विकास अधिकारी पंचायत के पैड पर तैनात हैं उसे बचाने के लिए सतीश कुमार तिवारी द्वारा एक और फर्जी वाडा किया गया। रिपोर्ट में लिखते हैं कि श्री हंस प्रकाश सिंह को निर्देशित किया गया 7 दिन में आवास पूरा कर दे नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। रिपोर्ट ऐसा दे रहे हैं जैसे शिकायतकर्ता ने आवास पूरा करने की मांग की हो। शिकायतकर्ता का कहना है कि कार्यपूर्ण का प्रमाण पत्र जारी हो चुका है। अनियमितता 2020-21 में की गई है शिकायत कर बाद अब नोटिस बाजी की जा रही है। जब से सतीश कुमार तिवारी जनपद अंबेडकर नगर का पदभार ग्रहण किए हैं नित्य नए घोटाले करते जा रहे हैं जिनके विरुद्ध अनुशासनात्मक विभागीय कार्रवाई हेतु उत्तर प्रदेश शासन को प्रार्थना पत्र दिया गया है।

हर घर जल विकसित भारत संकल्प यात्रा के जन जागरूकता कार्यक्रम

अम्बेडकर नगर। जनपद में 13/12/2023 को ढ्रू- सरलादित्य ग्राम विकास सेवा संस्थान बस्ती द्वारा जनपद अम्बेडकर नगर विकास खण्ड-अकबरपुर के ग्राम पंचायत- दुखर परम रूदाइन, कटुई में जल जीवन मिशन ÷ हर घर जल ÷ विकसित भारत संकल्प यात्रा के जन जागरूकता प्रोग्राम के अन्तर्गत जल जनित बिमारी,जल संरक्षण, शुद्ध पाईप पेयजल की आपूर्ति एवं उसके रख रखाव,जल शुल्क,12ह्यष समिति के कार्य एवं जिम्मेदारी तथा जल जीवन मिशन के उद्देश्य की विस्तृत जानकारीसरलादित्य ग्राम विकास सेवा संस्थान के द्वारा आयोजित बैठक क्रार्यक्रम के माध्यम से दिया गया जिसमे संस्था प्रमुख गोविन्द मिश्र, ग्राम प्रधान-, सचिव-, टीम लीडर „छह पंचायत--सुमन सिंह , टीम लीडर राजेन्द्र शुक्ल कम्यूनिटी वर्कर-राजकुमार एवं ललिता, पूनम, किरण, रेखा, उजागिर, राम लौटन, सुरेश, रमेश समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे7

विकसित भारत संकल्प यात्रा' प्रदेश में 16 दिसम्बर से आरंभ होगी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री 15 दिसम्बर को सांसद, विधायक सहित जनप्रतिनिधियों से यात्रा के संबंध में करेंगे वर्चुअल संवाद

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

मुख्यमंत्री ने की ''विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ की तैयारियों की समीक्षा और दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में 16 दिसम्बर से आरंभ हो रही ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ के संबंध में कमिश्नर-कलेक्टर्स को मंत्रालय में हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप जनहित और जनकल्याण के लिए आरंभ की गई यात्रा का क्रियान्वयन मोदी की गारंटी की साख और गरिमा के अनुरूप हो। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं, लाभों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ आरंभ की जा रही है। प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों, विशेष तौर से वंचित व आकांक्षी लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना, योजनाओं का प्रचार-प्रसार और जागरूकता, लाभार्थियों के अनुभव साझा करना और संभावित लाभार्थियों का चयन तथा नामांकन सुनिश्चित करना यात्रा का उद्देश्य है। 26 जनवरी 2024 को यात्रा का समापन गणतंत्र दिवस पर होगा। सतना कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत सहित नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित रहे।

सभी जिलों में यात्रा का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ का सभी जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता तैयारी की जाएं, कहीं पर भी यात्रा की औपचारिकता न पूरी करें। यात्रा के सभी रूटों पर जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री स्वयं भी दिनांक 15 दिसम्बर को सभी जिलों के जनप्रतिनिधियों से यात्रा के सफल आयोजन के संबंध में वर्चुयुअल संवाद करेंगे। अधिकारी-कर्मचारी व्यक्तिगत रूचि लेकर यात्रा में शामिल हों और यात्रा के उद्देश्य के अनुरूप सभी वंचित और पात्र व्यक्तियों तक यात्रा के लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें।

बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और किसानों को यात्रा से जोड़ें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव 16 दिसम्बर को उज्जैन से आरंभ हो रही ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ में भाग लेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि यात्रा में स्कूली बच्चों, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाशक्ति और किसानों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ा जाएं। ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ से फिट इंडिया के संदेश का भी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हों और जनसामान्य को पर्याप्त पोषण तथा एक्सरसाइज की आवश्यकता की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मोबाइल वैन के जिलों में भ्रमण के लिए रूट चार्ट तैयार करें और जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय सांसद, स्थानीय विधायक सहित अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की

जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा की तैयारियों के संबंध में डिण्डौरी, जबलपुर और उज्जैन के जिला कलेक्टरों से चर्चा की।

यात्रा में सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृषि कार्यों के लिये ड्रोन प्रदर्शन भी होगा- ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ जनहितैषी योजनाओं पर केन्द्रित है। यात्रा के लिए ग्रामीण क्षेत्र की 19 तथा शहरी क्षेत्र की 15 योजनाएं चिन्हित हैं, इनमें स्वस्थ भारत मिशन, खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, उचित पोषण, गरीबों के लिए आवास, वित्त पोषण सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाएं शामिल हैं। योजनाओं की जानकारी और प्रचार-प्रसार के लिए प्रत्येक जिले में ग्राम पंचायत तक मोबाइल वैन पहुँचेगी, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी का उद्बोधन, योजनाओं की जानकारी और योजनाओं से संबंधित चलचित्र प्रदर्शित होंगे। यह वैन सभी नगरीय निकायों में भी जाएगी तथा पम्पलेट, बुकलेट आदि वितरित करने के साथ-साथ योजनाओं के लाभ लेने के लिए आवेदन, लाभ वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा। योजनाओं के संबंध में जागरूकता के लिए क्विज, सांस्कृतिक कार्यक्रम और ड्रोन प्रदर्शन भी होगा। लाभार्थियों की व्यक्तिगत सफलता की कहानियों और उपलब्धियों को साझा करने के लिए ÷मेरी कहानी-मेरी जुबानी÷ जैसे कार्यक्रम होंगे तथा धरती कहे पुकार के, स्वच्छता गीत आदि जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। ड्रोन प्रदर्शन द्वारा प्राकृतिक खेती, स्वाईल हेल्थ कार्ड के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

स्वास्थ्य मेला सहित विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे- ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ के अंतर्गत स्वास्थ्य मेला, उज्जवला योजना, किसान/पशुपालक मछुआरों के लिए क्रेडिट कार्ड के आवेदन लेने और बैंकों से समन्वय के स्टॉल होंगे। इसके साथ ही आधार कार्ड में जानकारी अपडेशन, राजस्व विभाग के अंतर्गत नामांतरण और बंटवारा, कृषि, स्व-सहायता समूहों, पेंशन योजनाओं, आदिवासी विकास से संबंधित योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

यात्रा में शामिल जनहितैषी योजनाएं- ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ के अंतर्गत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में संचालित योजनाएं सम्मिलित होंगी। ग्रामीण क्षेत्र में क्रियान्वित आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना, पीएम उज्जवला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान योजना, क्रिसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल- जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना, जन-धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नैनो उर्वरक का उपयोग, स्वाइल हैल्थ कार्ड, उन्नत कृषि यंत्र से संबंधित गतिविधियां शामिल होंगी।

शहरी क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम उज्जवल योजना, पीएम मुद्रा लोन योजना, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टेंड-अप इंडिया, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना शहरी, वंदे भारत ट्रेनें और अमृत भारत स्टेशन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, उजाला योजना, अमृत योजना, पीएम जन औषधि परियोजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल भुगतान अधोसंरचना, आरसीएस योजना और खेलो इंडिया से संबंधित योजनाएं व गतिविधियाँ शामिल होंगी।

यात्रा की मॉनीटरिंग वेब आधारित पोर्टल से की जाएगी-यात्रा के लिए जिला, जनपद और पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारी तथा वाहन प्रभारी की नियुक्ति की जाएगी। इसके साथ की पंचायत स्तर पर स्वागत समिति और उत्सव समिति का गठन भी होगा। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में क्रियान्वयन समिति गठित होगी। राज्य स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा राजस्व विभाग और नगरीय क्षेत्रों के लिए नगरीय प्रशासन विभाग समन्वय, मॉनीटरिंग आदि के लिए नोडल विभाग होंगे। भारत सरकार और पीएमओ द्वारा इस यात्रा की मॉनीटरिंग वेब आधारित पोर्टल से की जाएगी।

विधायक ने ग्रामीणों को दिलाई हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ

हरियाणा वाटिका

गन्नौर(सोनीपत), 11 दिसंबर। गन्नौर से विधायक निर्मल चौधरी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गांव भिगान में आयोजन जनसंवाद कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य केंद्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं के सभी पात्र लाभार्थियों को लाभ पहुंचाना है। किसी कारणवंश नागरिक को योजनाओं का लाभ नही मिला हैं तो उनका मौके पर ही फार्म भर कर उन्हे योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करवाना है। घर द्वार पर मिली इस सुविधा के लिए लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार जताया है। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने इस यात्रा को जनसंवाद से जोड़ा है जिसके माध्यम से उनकी शिकायतें व समस्याएं भी सुनी जा रही है और उनका समाधान भी किया जा रहा है। इस दौरान सभी को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ दिलाई।

तोशाम के महिला महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के तहत कैरियर से संबंधित व्याख्यान हुआ आयोजित

हरियाणा वाटिका

तोशाम, 11 दिसंबर। सोमवार को स्थानीय चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के तहत कैरियर से संबंधित व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य प्रवक्ता के तौर पर हिसार जिले के आदमपुर से राजकीय महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजेश वर्मा ने शिरकत की। इस दौरान डॉ. राजेश वर्मा ने छात्राओं को करियर से संबंधित बहुत सी जानकारी दी। डॉ. वर्मा ने बताया कि छात्राएं ग्रेजुएशन के बाद कैसे विभिन्न क्षेत्रों में नौकरियों के अवसर पा सकती हैं। डॉ. वर्मा का कहना था कि सभी छात्राएं अपने करियर का कोई निश्चित गोल रखें और उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और अथक प्रयास करें। डॉ. वर्मा ने काफी विस्तार से बताया कि बीए, बीकॉम और बीएससी के बाद छात्राएं विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसरों के लिए अपने आप को किस तरह से तैयार कर सकती है। इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डॉ. चंद्रकांत गोरसी व सदस्य डॉ. पवन कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार चहल, डॉ. राजकुमार, डॉ. जयपाल शास्त्री आदि समस्त स्टाफ सदस्य सहित अनेक छात्राएं मौजूद थी।

सतनाली में दिनभर उत्पात मचाते है बंदर, बढ़ रहा बंदरों का आतंक

हरियाणा वाटिका

सतनाली, 11 दिसंबर। सतनाली कस्बे में बंदरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कस्बे के लोग धूप सेंकने के लिए जहां बंदरों के कारण घरों की छतों पर भी पड़ने से पीछे हट रहे है। ध्यान रहे कि सतनाली कस्बे में बंदरों का आतंक इस कदर व्याप्त है कि आए दिन बंदर किसी बच्चे, बुजुर्ग व पशु पक्षियों पर हमले कर उन्हें घायल कर रहे है। अन्य क्षेत्रों से छोड़े गए बंदर यहां दिनभर जमकर उत्पात मचाते हैं व साथ ही छोटे बच्चों को भी घायल करने से भी पीछे नहीं हट रहे। ऐसे में बंदरों के भय के कारण महिलाएं अपने छोटे बच्चों को अपने घर में भी अकेले नहीं छोड़ सकती एवं घर में दरवाजे खुले छोड?ा भी खतरनाक साबित होता जा रहा है। बंदरों के झुंड सुबह होते हीं एक छत से दूसरी छत पर घूमते दिखाई देते हैं। इन बंदरों ने अब तो बच्चों को नुकसान पहुंचाना भी शुरू कर दिया है। सतनाली के प्रत्येक मोहल्ले में बंदरों के आतंक का यही हाल है। सतनाली क्षेत्र में ऐसी घटनाएं अब आम बात हो चुकी है। बंदरों का आतंक बच्चों पर ही नहीं घरेलू सामग्रियों पर भी देखा जा सकता है। घर में रखी सामग्री को बंदर लेकर चंपत हो जाते है। विदित रहे कि पिछले कुछ दिनों में सतनाली क्षेत्र के दर्जनों लोग बंदरों के आतंक का शिकार हो चुके है। सतनाली में हाल ही में बंदरों की संख्या में इजाफा हुआ है। शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो जहां लोग बंदरों के उत्पात से परेशान न हो। ग्रामीणों ने प्रशासन से बंदरों की बढ़ती संख्या पर लगाम कसने की मांग की है एवं साथ ही बंदरों को पकड़ने के लिए विशेष मुहिम चलाने की मांग को प्रमुखता से उठाया है।

मोबाईल लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

हरियाणा वाटिका

सतनाली, 11 दिसंबर। ईमानदारी अभी भी जिंदा है तथा कोई भी लालच ईमानदार व्यक्ति के ईमान को नहीं डिगा सकता। ऐसा ही एक मामला सामने आया है गांव नावा रेलवे स्टेशन पर। नावां रेलवे स्टेशन पर राजस्थान के गांव कुलोठ निवासी राजकुमार नामक एक युवक का मोबाइल गिर गया था। यह मोबाईल गांव नांवा निवासी कृष्ण जांगड़ा को मिल गया जिसके बाद उसने फोन के मालिक से संपर्क कर गांव के मौजिज लोगों की मौजूदगी में मोबाइल उसे वापस लौटा दिया। मोबाइल वापस लौटाने पर फोन मालिक राजकुमार ने कृष्ण का आभार जताया तथा ग्रामीणों ने कृष्ण की ईमानदारी की सराहना की है। इस मौके पर अशोक स्वामी, सुनील तंवर, नवीन शर्मा, परमवीर आदि मौजूद रहे।

गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज की छात्रा ने नेट बाल में जीता स्वर्ण पदक

हरियाणा वाटिका

रोहतक, 11 दिसंबर। गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज रोहतक की बीए प्रथम वर्ष की छात्रा नेहा ने गोवा में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में नेट बाल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर कॉलेज का नाम रौशन किया। आज कॉलेज प्रांगण में विजेता खिलाड़ी का कॉलेज प्राचार्य व कॉलेज खेल समिति ने स्वागत किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ जयपाल शर्मा ने कहा खेल समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं । खेल मानव शरीर को आकार में रखने और ताकत, सहनशक्ति और धैर्य विकसित करने में मदद करते हैं। सभी चिकित्सा पेशेवर बीमारी की रोकथाम की रणनीति के रूप में नियमित व्यायाम की सलाह देते हैं। नियमित रूप से व्यायाम करना या किसी आउटडोर खेल में भाग लेना शरीर के लिए सबसे अच्छे वर्कआउट में से एक है। उन्होंने कहा खेल व्यक्ति की प्रतिरक्षा में सुधार करता है क्योंकि यह पूरे शरीर में रक्त के प्रवाह में सुधार करता है और उसे शारीरिक प्रयास के लिए तैयार करता है।

बेटियों को बचाने की दिशा में जिला महेंद्रगढ़ में दिखने लगे सकारात्मक परिणाम

म्हारी लाडो म्हारी शान कार्यक्रम के जरिए बदली जा रही लोगों की सोच

हरियाणा वाटिका

नारनौल, 11 दिसंबर। बेटियों को बचाने की दिशा में जिला महेंद्रगढ़ में उपायुक्त मोनिका गुप्ता (आईएएस) द्वारा किए गए प्रयास अब रंग लाने लगे हैं। जिला महेंद्रगढ़ में जनवरी से अक्टूबर तक लिंगानुपात जहां 868 था वहीं जनवरी से नवंबर तक यह बढ़कर 882 हो गया।

मोनिका गुप्ता ने जिला महेंद्रगढ़ के उपायुक्त के तौर पर तैनात होते ही सबसे पहले बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को आगे बढ़ाने का कार्य किया। उन्होंने विकास कार्यों के साथ साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस मुद्दे को हमेशा प्राथमिकता दी।

सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को और अधिक गति देने के लिए उन्होंने म्हारी लाडो म्हारी शान नाम से एक अभियान चलाया। इतना ही नहीं इस अभियान में जन-जन की भागीदारी के लिए उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों आशा वर्कर आंगनवाड़ी वर्कर वह सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया। इसके अलावा लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न मौकों पर संस्कृतिक कार्यक्रम व नाटक के जरिए इस अभियान को गति दी।

उन्होंने म्हारी लाढो म्हारी शान नाम से एक अभियान के तहत कुआं पूजन व गोद भराई जैसी रसम शुरू की।

सरकार द्वारा चलाए गए विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्राओं के दौरान भी लगातार कुआं पूजन जैसी परंपराओं को निभाया जा रहा है।

म्हारी लाडो म्हारी शान अभियान के तहत चार कुआं पूजन व दो गोद भराई की परंपरा निभाई

उपायुक्त मोनिका गुप्ता आईएएस के दिशा निर्देश पर शुरू किए गए म्हारी लाडो म्हारी शान अभियान के तहत आज विभिन्न भारत विकसित जन संवाद संकल्प यात्राओं के दौरान चार कुआं पूजन व दो गोद भराई की परंपरा निभाई गई।

गांव खुडाना में चार का कुआं पूजन व आकोली व मुलोदी में एक-एक गोद भराई की परंपरा निभाई गई।

हरियाणा में जनता ने 2024 में कांग्रेस सरकार बनाने का प्रण किया : प्रदीप चौधरी

कहा : हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस प्रदेश भर में लगातार हो रही है मजबूत

विकास कुमार

कैथल, 11 दिसम्बर। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खास समर्थक प्रदीप कुमार चौधरी ने कहा कि जो हरियाणा पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा शासनकाल में 2014 से पहले प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश और रोजगार देने में नंबर वन था, उसे बीजेपी ने महंगाई, अपराध, नशे और बेरोजगारी में नंबर वन बना दिया है। यही वजह है कि हरियाणा के युवा अपना प्रदेश और देश छोडकर पलायन करने को मजबूर हैं। क्योंकि उन्हें मौजूदा सरकार के कार्यकाल में भविष्य सुरक्षित नजर नहीं आता। नई अनाज मंडी ढांड में एक भेंटवार्ता

में बातचीत करते हुए प्रदीप कुमार ने कहा कि हुड्डा शासनकाल के दौरान कांग्रेस कार्यकाल में गरीब परिवारों को करीब 4 लाख 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट दिए गए थे। लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही इस योजना को बंद कर दिया। इसी तरह गरीब, दलित और पिछड़ों के लिए चलाई गई कांग्रेस की कई योजनाओं पर इस सरकार ने ताला लगाने का काम किया है। हुड्डा सरकार बनते ही फिर से गरीब परिवारों को 100-100 गज के प्लाट दिए जाएंगे। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि यह सरकार लोगों को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम है। हरियाणा महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य बनकर उभरा है। कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप कुमार ने कहा कि देश व प्रदेश में कांग्रेस की आंधी चल रही है और जनता कांग्रेस की सरकार बनाने का प्रण कर चुकी है। हुड्डा के कुशल नेतृत्व में कांग्रेस प्रदेश के हर जिले में निरंतर मजबूत हो रही है और प्रतिदिन हर वर्ग के लोगों सहित विभिन्न पार्टियों एवं सत्ताधारी दलों के नेता व कार्यकर्ता भी लगातार कांग्रेस की नीतियों में आस्था व्यक्त कर पार्टी ज्वाइन कर रहे हैं। प्रदीप चौधरी ने कहा कि गठबंधन सरकार में जनता की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। चुनाव में किए गए सभी वादे खोखले साबित हुए है। गठबंधन सरकार को सत्ता सौंपकर जनता पछता रही है और हुड्डा शासनकाल को याद कर रही है। हुड्डा ही हरियाणा की जनता के सच्चे हितैषी है और जनता का भला कर सकते है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा लोगों के लिए साबित हो रही है वरदान : विजेंद्र मैहला

कहा : सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का फैसला ऐतिहासिक

विकास कुमार

कैथल, 11 दिसम्बर। भाजपा किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी विजेंद्र मैहला जडौला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का फैसला ऐतिहासिक है और हर निर्णय हर भारतवासी को हर्षित करने वाला है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दूरदर्शिता सोच के चलते जम्मू कश्मीर को देश की मुख्य धारा से जोड? का यह ऐतिहासिक काम किया है। नई अनाज मंडी ढांड में अपने प्रतिष्ठान पर एक भेंटवार्ता में बातचीत करते हुए मैहला ने कहा कि प्रदेश की मनोहर सरकार द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त शासन

प्रशासन देने और सर्विस डिलीवरी को सरल व सुगम करने के लिए ऐसा सिस्टम बनाया है जिसमें पारदर्शिता, सरलता व ईमानदारी है, जिसका हर व्यक्ति को पूरा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अब सरकार और नागरिक के बीच कोई बिचौलिया नहीं है। आज व्यवस्था परिवर्तन के फलस्वरूप नागरिक पर बैठे विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। भाजपा सरकार द्वारा चलाई गई विकसित भारत संकल्प यात्रा लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है और मौके पर ही आमजन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा जन कल्याण के लिए चलाई गई विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपार विकास हुआ है और देश का स्वरूप बदला है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मैहला ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश व समाज के लिए जीते हैं और देश की जनता के लिए 18-19 घंटे काम करते हैं। देश के हित में अनेकों फैसले प्रधानमंत्री ने लिए हैं। बीजेपी पार्टी में संस्कार हैं और नीतियों पर काम किया जाता है। जनता की सेवा करना प्राथमिकता में शामिल हैं। जनता को मालिक मानकर नौकरों के समान रहकर निरंतर जनहित के कार्य किए जा रहे हैं। किसानों के हितों में निरंतर कार्य किया जा रहा है। करोड़ों रुपये की धनराशि किसान सम्मान निधि के जरिए सीधा किसानों के खातों में डाली जा रही है। भाजपा सरकार हर वर्ग की सच्ची हितैषी सरकार है।

जन आशीर्वाद रैली को लेकर ग्रामीणों व कार्यकत्र्ताओं में भारी उत्साह : सुल्तान जडौला

कहा : हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव में जीत का परचम लहराने के लिए तैयार

विकास कुमार

कैथल, 11 दिसम्बर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सुल्तान सिंह जडौला ने कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कुशल नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है और जीत का परचम लहराते हुए सरकार बनाने का काम करेगी। हुड्डा सरकार बनते ही हरियाणा हर क्षेत्र में फिर से नंबर एक प्रदेश बनेगा। जडौला आगामी 23 दिसंबर को सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में

गांव फरल में बाबा फल्गु ऋषि तीर्थ के पास आयोजित होने वाली जन आशीर्वाद रैली हाथ से हाथ जोड़ो के तहत हलके के विभिन्न गांवों में ग्रामीणों को रैली में बढ़-चढकर भाग लेने का निमंत्रण दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जनआशीर्वाद रैली को लेकर ग्रामीणों व कार्यकत्र्ताओं में भारी उत्साह है और लोगों का विशाल जनसैलाब उमड़ेगा। इसके बाद कस्बे में बातचीत करते हुए सुल्तान जडौला ने आरोप लगाते हुए कहा कि हरियाणा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। भाजपा विकास का झूठा ढिंढोरा पीटकर जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि विकास सिर्फ और सिर्फ कागजों में ही हो रहा है। हुड्डा शासनकाल के दौरान कांग्रेस के राज में हरियाणा रोजगार में नंबर राज्य बन गया था। जबकि गठबंधन सरकार में हरियाणा बेरोजगारी में नंबर वन बन चुका है। भाजपा विकास के झूठे जुमले उछाल रही है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने का वादा भाजपा पूरा नहीं कर पाई। बेरोजगारी के चलते हरियाणा के लाखों युवा विदेशों में जा चुके हैं। जिसकी पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रतिपक्ष नेता चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा विधानसभा सत्र में सरकार की पोल खोलने के साथ जनहित के मुद्दों को विधानसभा में जोर-शोर से उठाएंगे। जडौला ने कहा कि बीजेपी-जेजेपी ने किसानों से एमएसपी व मुआवजा, युवाओं से रोजगार, गरीबों से सौ-सौ गज के प्लॉट जैसी कल्याणकारी योजनाएं, दलित और पिछड़ों से आरक्षण का लाभ छीनने का काम किया है।

9 बोतल अवैध शराब सहित एक गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका

इस्माईलाबाद, 11दिसम्बर। थाना प्रभारी विक्रांत सिंह ने बताया कि नशे का जंजाल को रोकने के लिए पुलिस एक अभियान के तहत चेकिंग अभियान चला कर छापेमारी कर रही है। इसी अभियान के तहत पुलिस टीम चम्मू चौक पर मौजूद थी। उसी समय पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि गांव चम्मू कलां में एक व्यक्ति अपने मकान में ठेका शराब देसी बाहर से लाकर बेचने व पिलाने का काम करता है। पुलिस ने सूचना के आधार पर बताए गए मकान में छापेमारी की तो तलाशी के दौरान पुलिस ने मकान के कमरे के कोने में गत्ते की पेटी से 9 बोतल मार्का एनवी माल्टा बरामद हुई। वहां कमरे में एक व्यक्ति भी मौजूद था। जिसकी पहचान सुखदेव उर्फ सूखा के रूप में हुई है। जब उक्त व्यक्ति से शराब रखने बारे लाइसेंस व परमिट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया तो वह प्रस्तुत नहीं कर पाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है मामले की जांच हवलदार संदीप कुमार कर रहे है।

ग्रामीणों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बन जाने की शपथ ली

प्रवीण वालिया

इन्द्री/करनाल, 11 दिसम्बर। विधानसभा क्षेत्र इन्द्री के गांव उमरपुर व चन्द्राव में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सोमवार को ग्रामीणों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बन जाने की शपथ ली और ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे गुलामी की मानसिकता को त्याग कर भारत भूमि की एकता व अखंडता को कायम रखते हुए देश के विकास के लिए कार्य करेंगें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का संकल्प है कि भारत का नाम पूरे विश्व में विख्यात हो। इसलिए गांव-गांव व शहर-शहर में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार शासन-प्रशासन में पूरी पारदर्शिता व जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए जनकल्याणकारी नीतियों को निरंतर धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है और यह संकल्प एक शब्द मात्र नहीं हैं बल्कि देश के करोड़ो गरीबों को सबके बराबर लाने का एक बेहतरीन विचार है।

टीबी की शीघ्र जांच, इलाज व पोषण पर योगी सरकार गंभीर

लखनऊ। देश को वर्ष 2025 तक टीबी (क्षय रोग) मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने को लेकर योगी सरकार गंभीर है। योगी सरकार का पूरा ध्यान टीबी की जांच और परीक्षण के दायरे में तेजी लाने पर है। साथ ही निक्षय पोषण योजना के तहत बैंक खाते में प्रति माह 500 रुपये भेजकर इसमें तेजी लाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि टीबी के शुरूआती इलाज के साथ-साथ इलाज के दौरान उचित पोषण भी सुनिश्चित किया जा सके। इसके लिए योगी सरकार निजी क्षेत्र के टीबी मरीजों का नोटिफिकेशन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चला रही है। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी टीबी की स्क्रीनिंग और लिये जा रहे सैंपल

टीबी की स्क्रीनिंग और जांच का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले साल दिसम्बर से हर माह की 15 तारीख को स्वास्थ्य केन्द्रों पर निक्षय दिवस का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के जरिये गत 10 माह के दौरान 8406 टीबी मरीजों की पहचान कर इलाज शुरू किया गया। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर भी स्क्रीनिंग और सैम्पल लेने की व्यवस्था की गयी है ताकि जल्द से जल्द टीबी मरीजों की पहचान कर उनका शीघ्र इलाज शुरू किया जा सके। इसी क्रम में अब एक और बड़ा कदम उठाया गया है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा के निदेर्शानुसार संयुक्त निदेशक (क्षय)/राज्य क्षय कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने प्रदेश के सभी जिला क्षय रोग अधिकारियों को 15वें वित्त आयोग द्वारा प्राप्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्थापित टूनाट मशीनों का उपयोग राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत करने के लिए पत्र लिखा है। इससे टीबी की जांच में तेजी आएगी। टूनाट मशीनों की मैपिंग कराते हुए लैब टेक्नीशियन को एसटीएलएस के माध्यम से प्रशिक्षित कराने का भी निर्देश दिया गया है। इसके अलावा टूनाट मशीनों की उपयोगिता रिपोर्ट भी हर माह राज्य स्तर पर भेजने को कहा गया है।

नोटिफिकेशन बढ़ाने को एक हफ्ते का विशेष अभियान

निजी क्षेत्र के टीबी मरीजों का नोटिफिकेशन बढ़ाने के लिए प्रदेश में 7 से 14 दिसम्बर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष निजी क्षेत्र के नोटिफिकेशन का प्रदेश का लक्ष्य करीब 2.24 लाख तय किया गया है जिसमें 88 प्रतिशत पूरा हो गया है। इस लक्ष्य को समय से पूरा करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। महानिदेशक-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें डॉ. दीपा त्यागी ने इस बारे में प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और जिला क्षय रोग अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नोटिफिकेशन बढ़ाने के साथ ही छूटे हुए मरीजों को निक्षय पोर्टल पर नोटिफाई कराना सुनिश्चित करें।

15 दिसम्बर तक टीबी मरीजों के खाते में पैसे भेजने के निर्देश

डॉ. दीपा त्यागी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पांच दिसम्बर को निर्देशित किया है कि निःक्षय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को पोषण के लिए मिलने वाली 500 रुपये की राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। उन्होंने कहा है कि टीबी मरीजों को प्रथम किश्त के रूप में मिलने वाली 1000 रुपये की राशि का भुगतान 15 दिसम्बर तक किया जाना सुनिश्चित करें। ज्ञात हो कि करीब 1.47 लाख टीबी मरीजों के खाते में प्रथम किश्त भेजी जानी है। उन्होंने कहा है कि जिन मरीजों के बैंक खाते का विवरण उपलब्ध नहीं है, उसे भी शीघ्र अपडेट किया जाए। ज्ञात हो कि निक्षय पोषण योजना के तहत वर्ष 2023 में अब तक करीब 4.05 लाख रोगियों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। निक्षय पोषण योजना के तहत वर्ष 2018 से अब तक करीब 20 लाख रोगियों को लाभान्वित करते हुए 517 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

भाजपा कार्यकताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : मटियारी

अमेठी। गौरीगंज के पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी ने कहा कि भाजपा कार्यकताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा। अधिकारी कर्मचारी समाजवादी का चोला ओढ़कर काम करना बंद करें। वरना खैर नहीं होगी। गौरीगंज विधानसभा सपा के कब्जे में है। पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र रविवार को जनता दरबार में थे।

इस दौरान भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष विधायक के सामने रोने लगे। बूथ अध्यक्ष ने बताया कि सपा विधायक के दबाव में कानूनगो मंजीत उत्पीड़न कर रहे हैं। जिससे विधायक कानूनगो मंजीत को फोन पर खूब खरी-खोटी सुनाए। विधायक ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता रीढ़ की हड्डी के बराबर है। जिससे कार्यकताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा। विधायक ने कहा कि गौरीगंज के कुछ अधिकारी कर्मचारी समाजवादी कार्यकर्ता बन गए हैं। जिससे भाजपा कार्यकताओं का काम नहीं हो रहा है। विधायक इसकी जानकारी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को देंगे।

विधायक के जनता दरबार में फरियादियों का विश्वास बढ़ता जा रहा है। जिससे हर रविवार को भीड़ होती है। मटियारी चुनाव हार गए थे। लेकिन हार के बाद भी जनता के बीच दुख-सुख में बराबर खड़े रहते हैं। गौरीगंज नगर पालिका के चुनाव में ब्राह्मणों को भाजपा में वोट कराने वाले मटियारी अब ब्राह्मण चेहरा बन चुके हैं। जिससे जिलेभर के ब्राह्मण फरियादी मटियारी के जनता दरबार में आते हैं। सलोन विधानसभा से दर्जन-भर ब्राह्मण जमीन पर अवैध रूप से कब्जे की शिकायत लेकर आए थे। मिश्र ने रायबरेली के डीएम एसपी से न्याय दिलाने की बात कही है। इसी तरह जामो के कई फरियादी पुलिस का मामला लेकर आए थे। विधायक बारी बारी से अर्जियों का त्वरित निपटारा कराने में जुटे थे। अमेठी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के तीन और सपा के दो विधायक हैं।

किसान मोर्चा करेगा नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश भर में किया जा रहा है । जिसको लेकर भाजपा किसान मोर्चा मध्य प्रदेश की प्रदेश स्तरीय वर्चुअल बैठक संपन्न हुई। जिसमें संपूर्ण जिलों की जिला अध्यक्ष सहित प्रदेश पदाधिकारीयों की उपस्थिति रही। बैठक की अध्यक्षता भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दर्शन सिंह ने की। बैठक में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा राष्ट्रीय महामंत्री एवं कबड्डी प्रतियोगिता के राष्ट्रीय प्रभारी डॉक्टर अनिल वोंडे ने किसान मोर्चा के पदाधिकारी को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत की शुभकामनाएं दी। उन्होंने ने कहा कि किसान मोर्चा मध्यप्रदेश का कार्य बहुत ही श्रेष्ठ है। विधानसभा चुनाव में चौधरी दर्शन सिंह के नेतृत्व में आपने अच्छी मेहनत की है। अमृत काल में हमारा दायित्व है की आने वाली पीढ़ी को विकसित भारत का संकल्प देकर जाए। जिसके लिए आवश्यक है फिर एक बार मोदी सरकार। विकसित भारत संकल्प यात्रा यानी मोदी जी की गारंटी यह यात्रा गांव गांव आ रही है जिसमें किसान मोर्चा के पदाधिकारी को आगे जाकर सहभागिता करनी है। नमो कबड्डी प्रतियोगिता के बिषय में चर्चा करते

हुए किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दर्शन सिंह ने कहा कि प्रदेश के संपूर्ण जिलों 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करना है। प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष को कार्यक्रम के संयोजक है। जिन जिलों की नमो कबड्डी प्रतियोगिता की कार्य योजना प्रदेश में जमा नहीं हुई है। वह 15 दिसम्बर तक प्रदेश कार्यालय को प्रेषित करें। 20 दिसंबर से 31 दिसंबर के बीच में प्रदेश स्तरीय नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिला स्तरीय विजेता टीम भाग लेंगी। बैठक में भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंसीलाल गुर्जर का कुशल भी कुशल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दर्शन सिंह ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा किसान मोर्चा मध्यप्रदेश कबड्डी प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करेगा। नमो कबड्डी प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। इन प्रतियोगिताओं में भाजपा के सांसद विधायक एवं जनप्रतिनिधियों को अतिथि के रूप में आमंत्रित करना है। जो कबड्डी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करेंगे । चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खेलो इंडिया कार्यक्रम के कारण युवाओं में खेल-कूद के प्रति जागरूकता बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी के इसी विजन को आगे बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर कबड्डी प्रतियोगिता आयोजन करने का कार्यक्रम बनाया गया है,

गोपाल भार्गव बने MP के प्रोटेम स्पीकर, विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से

भाजपा के सबसे सीनियर व रहली से नौ बार के विधायक गोपाल भार्गव ने गुरुवार को प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ ली। सुबह 11 बजे राजभवन में गवर्नर मंगुभाई पटेल ने उनको शपथ दिलाई। गोपाल भार्गव ने दोपहर में पदभार ग्रहण किया। स्पीकर विधानसभा में सभी सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। इसके बाद

बहुमत वाले दल की तरफ से तय नाम के अनुसार नरेंद्र सिंह तोमर विधानसभा स्पीकर की शपथ लेंगे। नई विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से शुरू होगा, जो 21 दिसंबर तक चलेगा। इस समय डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार द्वितीय अनुपूरक बजट पेश कर सकती है।

पत्रकार डीके जैन को पितृशोक, पत्रकारों ने शोक जताया

ग्वालियर। वरिष्ठ पत्रकार डीके जैन के पूज्य पिताजी रामकिशन जैन का आज गुरूवार 14 दिसंबर की सुबह अचानक निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज दोपहर 2.30 बजे निज निवास हैदरगंज मामा का बाजार से लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम पहुंची, जहां उनका विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया। वहीं पत्रकारों एवं पत्रकार संगठनों ने स्व. रामकिशन जैन के निधान पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।वरिष्ठ पत्रकार डीके जैन के पिताश्री रामकिशन जैन के निधन पर पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है। वहीं एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने स्व रामकिशन जैन के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विनय अग्रवाल, सुरेश शर्मा, जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा, कार्यकारी जिलाध्यक्ष धीरज बंसल, महासचिव श्याम श्रीवास्तव, रविकांत दुबे, फूलचन्द्र मीणा, संजय त्रिपाठी, रामकिशन कटारे, शैलेन्द्र शर्मा, राजेश शर्मा, जितेन्द्र पाठक, हेमंत शर्मा, जितेन्द्र पांडे, राजेश जायसवाल छोटू, मुकेश बाथम, रघुवीर सिंह, राजकुमार सिंह, सुरेश दंडोतिया आदि प्रमुख है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रदेश में 16 दिसम्बर से आरंभ होगी : मुख्यमंत्री यादव

भोपाल।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में 16 दिसम्बर से आरंभ हो रही ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ के संबंध में कमिश्नर-कलेक्टर्स को मंत्रालय में हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप जनहित और जनकल्याण के लिए आरंभ की गई यात्रा का क्रियान्वयन मोदी की गारंटी की साख और गरिमा के अनुरूप हो। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं, लाभों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ आरंभ की जा रही है। प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों, विशेष तौर से वंचित व आकांक्षी लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना, योजनाओं का प्रचार-प्रसार और जागरूकता, लाभार्थियों के अनुभव साझा करना और संभावित लाभार्थियों का चयन तथा नामांकन सुनिश्चित करना यात्रा का उद्देश्य है। 26 जनवरी 2024 को यात्रा का समापन गणतंत्र दिवस पर होगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ का सभी जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता तैयारी की जाएं, कहीं पर भी यात्रा की औपचारिकता न पूरी करें। यात्रा के सभी रूटों पर जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री स्वयं भी दिनांक 15 दिसम्बर को सभी जिलों के जनप्रतिनिधियों से यात्रा के सफल आयोजन के संबंध में वर्च्युअल संवाद करेंगे। अधिकारी-कर्मचारी व्यक्तिगत रूचि लेकर यात्रा में शामिल हों और यात्रा के उद्देश्य के अनुरूप सभी वंचित और पात्र व्यक्तियों तक यात्रा के लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 16 दिसम्बर को उज्जैन से आरंभ हो रही ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ में भाग लेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि यात्रा में स्कूली बच्चों, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाशक्ति और किसानों को अधिक से अधिक संख्या में जो?ा जाएं। ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ से फिट इंडिया के संदेश का भी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हों और जनसामान्य को पर्याप्त पोषण तथा एक्सरसाइज की आवश्यकता की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मोबाइल वैन के जिलों में भ्रमण के लिए रूट चार्ट तैयार करें और जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय सांसद, स्थानीय विधायक सहित अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं।

संकल्प पत्र-2023 का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाए : मुख्यमंत्री

भोपाल 7 मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को साकार कर जनता की जिन्दगी बदलना ही हमारी सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जन-सामान्य ने अपना विश्वास व्यक्त किया है, उनके नेतृत्व में विकास की प्रक्रिया जारी है। विकास और जनकल्याण के लक्ष्य को संकल्प पत्र-2023 के अनुरूप धरातल पर उतारना हमारा उद्देश्य है। सभी विभाग संकल्प पत्र के सभी वादों, संकल्पों और घोषणाओं की पूर्ति का काम मिशन मोड में आरंभ कर समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नवगठित सरकार के संकल्प पत्र के बारे में मार्गदर्शन के लिए मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा सहित समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष और विभिन्न निगम मंडलों के महाप्रबंधक उपस्थित थे।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता, शुचिता और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण में किया जाए। सरकार के लिए सुशासन सर्वोपरि है। विकास और जनकल्याण के लक्ष्यों को सुशासन के बल पर ही प्राप्त किया जा सकता है। त्वरित, पारदर्शी, उत्तरदायी और संवेदनशील शासन व्यवस्था प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित की जाए। सुशासन केवल शब्द न रहे, हमें इसे चरितार्थ करके दिखाना है। मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संकल्प पत्र के दस प्रमुख भाग हैं। जिनमें सशक्त नारी, समृद्ध किसान, जनजातीय कल्याण, उत्तम शिक्षा एवं सक्षम युवा, सबका साथ-सबका विकास, सुदृ? आधारभूत संरचना, स्वस्थ प्रदेश, प्रगतिशील अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास, सुशासन एवं कानून व्यवस्था तथा सांस्कृतिक धरोहर एवं विकसित पर्यटन शामिल हैं। यह संकल्प पत्र ही सरकार का अगले पांच साल का विजन डाक्यूमेंट है। सभी विभाग, उनसे संबंधित विषयों के क्रियान्वयन में तत्काल कार्रवाई आरंभ करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिन संकल्पों का संबंध एक से अधिक विभागों से है, उनके संबंध में दोनों विभाग आपसी तालमेल से काम करें। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन के संबंध में किसी प्रकार का वित्तीय भार न हो अथवा वित्तीय संसाधन पूर्व से उपलब्ध हों या किसी प्रकार का नया नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता न हो, ऐसे प्रकरणों में सक्षम अनुमोदन लेकर तत्काल आदेश जारी किए जाएं। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन में पृथक से बजट प्रावधान की आवश्यकता हो, उस संबंध में तत्काल वित्त विभाग से चर्चा कर आवश्यक बजट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा कठिनाई आने पर मुख्य सचिव से तत्काल समन्वय सुनिश्चित करें। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन में नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता हो या विद्यमान प्रक्रिया में कोई संशोधन किया जाना हो

धार्मिक स्थल एवं अन्य स्थानों पर निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जा सकेगा

ग्वालियर 7 धार्मिक स्थलों अथवा अन्य स्थानों में निर्धारित मापदंड के अनुरूप ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउड स्पीकर / डीजे) का उपयोग किया जा सकेगा। राज्य शासन द्वारा ध्वनि प्रदूषण तथा लाउड स्पीकर आदि के वैधानिक उपयोग की जाँच के लिये सभी जिलों में उ?नदस्ते गठित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही नगरीय विकास एवं आवास विभाग के माध्यम से जारी निर्देशानुसार खुले में बिना अनुमति माँस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंध किया गया है। इसके संबंध में 15 दिसम्बर से सभी नगरीय निकायों में मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 के प्रावधानों के तहत विशेष अभियान चलाया जायेगा।

ग्वालियर जिले में प्रदूषण नियंत्रण एवं खुले में माँस, मछली का विक्रय प्रतिबंधित करने के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल एवं प्रभारी कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ ही प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने हेतु रणनीति तैयार की। इसके लिये जिले में उ?नदस्ते भी गठित किए गए हैं। कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री चंदेल एवं प्रभारी कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार ने पुलिस अधिकारियों एवं राजस्व अधिकारियों को कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में धर्मगुरूओं के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें शासन के प्रावधानों से अवगत कराएँ तथा धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्व अनुमति के साथ ही निर्धारित डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है। बैठक में सभी पुलिस अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों, नगर निगम के अधिकारियों के साथ ही प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के संयुक्त दल गठित किए गए हैं। यह दल नियमित रूप से भ्रमण करेंगे और धर्मगुरूओं एवं मैरिज गार्डन संचालकों के साथ ही डीजे संचालकों को भी शासन के नियमों से अवगत कराते हुए बिना अनुमति के और निर्धारित डेसिबल से अधिक का प्रयोग नहीं करें। जिन्हें भी ध्वनि विस्तारक यंत्रों की अनुमति चाहिए वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर अनुमति प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सभी थाना स्तरों पर एक सूची भी संधारित की जाए। जिसमें ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने वालों का विस्तृत विवरण अंकित हो।

नगरीय निकाय द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में बिना अनुमति माँस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित किए जाने के संबंध में 15 दिसम्बर से चलने वाले विशेष अभियान के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि शहर में सामान्यत: किसी भी प्रकार के व्यवसाय, दुकान, बाजार या रेह?ी आदि लगाने के लिये नगरीय निकायों द्वारा मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के नगरीय विकास विभाग के अधिनियमों के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान लागू होते हैं। इसके अंतर्गत जिले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मांस एवं मछली के विक्रय के संबंध में अतिरिक्त शर्तें लगाई जाती हैं। इस अधिनियम के अंतर्गत मांस एवं मछली के विक्रय के समस्त प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी कांच/दरवाजा एवं साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था होना अनिवार्य है। इसके साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के अंतर्गत अनुज्ञा/अनुमति/अनापत्ति प्रदान की जाती हैं। विशेष रूप से किसी भी प्रकार के मांस एवं मछली के विक्रय के लिये सामने 100 मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। नगरीय निकायों के आयुक्त और मुख्य नगरपालिका अधिकारी को अधिनियमों/नियमों एवं लायसेंस की शर्तों का पालन क?ाई से कराने के निर्देश दिये गये हैं। सभी निकाय क्षेत्रों में आगामी 15 दिवस तक अतिक्रमण निरोधी दस्ते तथा स्वास्थ्य अमले के अतिरिक्त जिला एवं पुलिस प्रशासन विशेष अभियान चलायेगा। यह अभियान 15 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 31 दिसम्बर तक निरंतर चलाया जायेगा।

धर्मगुरूओं के साथ भी हुई बैठक - शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग तथा खुले में माँस तथा मछली का विक्रय करने के संबंध में जिले में चलाए जाने वाले अभियान के संबंध में शहर के विभिन्न धर्मगुरूओं के साथ गुरूवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल एवं प्रभारी कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार ने बैठक ली और बताया कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के प्रावधान तथा सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों के पालन में लाउड स्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियम विरूद्ध तेज आवाज में बिना अनुमति के उपयोग को पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। ध्वनि प्रदूषण तथा लाउड स्पीकर आदि के अवैधानिक उपयोग की जाँच के लिये दल भी गठित किए गए हैं।

इसके साथ ही नगरीय निकायों द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 के प्रावधानों के तहत विशेष अभियान चलाकर बिना अनुमति के माँस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित किया गया है। धार्मिक स्थलों के मुख्य द्वार से 100 मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। सभी धर्मगुरूओं से अपील की गई कि ध्वनि प्रदूषण एवं खुले में माँस व मछली विक्रय नियमों के अनुरूप ही हो, इसके लिये सहयोग प्रदान करें। बैठक में स्पष्ट किया गया कि शासन के प्रावधानों के अनुसार ही नियमानुसार लाउड स्पीकरों का उपयोग किया जा सकेगा। इसके लिये पूर्व में अनुमति लिया जाना आवश्यक है। इसी प्रकार अनुमति के साथ ही निर्धारित प्रावधानों का पालन करते हुए माँस एवं मछली का विक्रय किया जा सकेगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई की जायेगी।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478